E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 233 | गुवाहाटी | बुधवार, 26 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ईद पर 32 लाख परिवारों को देगी सौगात-ए-मोदी किट — पेज 2

असम सरकार दूरदराज के क्षेत्रों के लिए क्लस्टर आधारित शिक्षक कैडर शुरू करेगी — पेज 3

राणा सांगा का जीवन स्वतंत्रता, साहस और बलिदान का प्रतीक : मुख्यमंत्री... — पेज 5

मियामी ओपन : ज्वेरेव, फ्रिट्ज और डी मिनौर चौथे दौर में पहुंचे, फोन्सेका... — पेज 7

2021 से अब तक 450 सरकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि 2021 से 450 से अधिक सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, उनके कब्जे से 12 करोड़ रुपए नकद और 224.74 ग्राम सोना जब्त किया गया है। यह घोषणा राज्य विधानसभा में एक चर्चा के दौरान की गई, जहां शर्मा ने भ्रष्टाचार के प्रति अपनी सरकार के शून्य-सहिष्णुता के रुख को रेखांकित किया। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में 24 प्रथम श्रेणी के अधिकारी, 349 द्वितीय श्रेणी के अधिकारी और 349 तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी शामिल हैं। इनमें से 31 को पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह राज्य सरकार के प्रशासन से भ्रष्ट आचरण को जड़ से खत्म करने के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। भ्रष्टाचार के अलावा, शर्मा ने मादक पदार्थों की तस्करी, गौ तस्करी, अवैध कोयला खनन और अवैध शराब व्यापार से निपटने में अपनी सरकार की सफलता पर प्रकाश डाला – ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां पिछली सरकारें निर्णायक रूप से कार्रवाई करने में विफल रही थीं। 2021 से अब तक असम पुलिस ने 2,600 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की है और 19,000 तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह 2011 से 2015 के बीच जब्त की गई 400 करोड़ रुपए की ड्रग्स से बिल्कुल अलग है। इसी तरह, शर्मा ने गैंडों के अवैध शिकार में भारी कमी की ओर इशारा किया, जो असम के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों में एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। उन्होंने दावा किया कि 2014 में गैंडों के अवैध शिकार के 25 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2024 में केवल दो घटनाएं दर्ज की गईं और 2023 में एक भी नहीं। कांग्रेस शासन पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने सवाल किया कि पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई और पूर्व वन मंत्री रकीबुल हुसैन ने कई बार पद संभालने के बावजूद शिकार के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई क्यों नहीं की। मुख्यमंत्री ने बड़े पैमाने पर फैले अवैध सुपारी कारोबार पर भी बात की और खुलासा किया कि 2010 से 2016 के बीच सुपारी सिंडिकेट से संबंधित कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। हालांकि, उनकी सरकार के तहत 700 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और 6,000 टन अवैध सुपारी जब्त की गई है। इसके अलावा तस्करी से संबंधित 724 मामले दर्ज किए गए हैं। शर्मा ने यह भी घोषणा की कि एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य के भीतर दो सुपारी प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे तस्करी की आवश्यकता कम हो गई। अवैध शराब के कारोबार पर भी काफी कार्रवाई की गई है। पिछले चार सालों में प्रशासन ने तीन लाख लीटर अवैध शराब जब्त की है, जबकि 2011 से 2015 के बीच सिर्फ 950 लीटर शराब जब्त की गई थी। कोयला तस्करी, एक और लंबे समय से चली आ रही समस्या, को भी आक्रामक तरीके से संबोधित किया गया है। 2021 से अब तक 228 गिरफ्तारियां की गई हैं और 3.3 मिलियन टन अवैध कोयला जब्त किया गया है। शर्मा ने इसकी तुलना पिछली कांग्रेस सरकार के रिकॉर्ड से की, जहां 2010 से 2015 तक *शून्य गिरफ्तारी* हुई थी। हालांकि, उन्होंने हाल ही में उमरंगसो कोयला खदान त्रासदी का हवाला देते हुए स्वीकार किया कि चुनौतियां बनी हुई हैं, जहां चूहे के बिल में खनन के कारण नौ श्रमिकों की जान चली गई। राज्य सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया है और घटना की जांच के लिए एक न्यायिक समिति का गठन किया है। शर्मा ने असम के कानून प्रवर्तन और न्यायिक दक्षता में सुधार पर भी प्रकाश डाला। राज्य की सजा दर पिछले छह प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा, अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है, 2016 में सालाना दर्ज होने वाली एफआईआर की संख्या 1.2 लाख से घटकर वर्तमान में केवल 40,000 मामले रह गई है।

विस अध्यक्ष ने सीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन संबंधी निंदा प्रस्ताव किया खारिज

गुवाहाटी। असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के खिलाफ दो विशेषाधिकार हनन प्रस्तावों और कांग्रेस द्वारा सदन में उनके एक कैबिनेट सहयोगी के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया। विपक्षी दल ने पहले ही अध्यक्ष को प्रस्ताव सौंपे थे, जिस पर दैमारी ने बजट सत्र के अंतिम दिन अपना फैसला सुनाया। विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया और कई अन्य कांग्रेस विधायकों ने छठी अनुसूची क्षेत्रों के विकास पर *स्पीकर की पहल* के तहत चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की मांग की थी। सैकिया ने एक अन्य नोटिस के माध्यम से, असम लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में विसंगतियों की जांच करने वाले एक जांच आयोग की रिपोर्ट के संदर्भ में कथित रूप से गलत जानकारी प्रदान करने के लिए शर्मा के खिलाफ एक अलग विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव की मांग की थी। दैमारी ने कहा कि विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव की अनुमति तब -शेष पृष्ठ दो पर

पंचायत चुनाव अप्रैल में होंगे : मंत्री रंजीत दास

गुवाहाटी। असम के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने मंगलवार को कहा कि राज्य में पंचायत चुनाव अप्रैल के महीने में होंगे। रंजीत कुमार दास ने बताया कि हमारी सरकार राज्य में पंचायत चुनाव कराने के लिए तैयार है। असम राज्य चुनाव आयोग पंचायत चुनाव कराएगा। हम राज्य चुनाव आयोग से जल्द से जल्द चुनाव की तारीखों की घोषणा करने का आग्रह करते हैं। अगर राज्य चुनाव आयोग अप्रैल को चुनाव की तारीखों की घोषणा करता है तो चुनाव प्रक्रिया 3 मई तक पूरी हो जाएगी, अगर चुनाव की तारीख 4, 5 या 6 अप्रैल को घोषित की जाती है तो यह 4, 5 या 6 मई तक पूरी हो जाएगी। इसलिए हम राज्य चुनाव आयोग से जल्द से जल्द चुनाव की तारीखों की घोषणा करने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, इस बार ग्राम पंचायत स्तर पर कोई -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर को मिला केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा

जम्मू (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विरोध के बावजूद मंगलवार को एक संशोधन विधेयक के जरिये राज्य को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया गया। सदन में विधेयक पेश करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह एक वास्तविकता है कि जम्मू-कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है। विरोध करने के बाद विधेयक को एनसी, कांग्रेस और उनके सहयोगियों के समर्थन से ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर -शेष पृष्ठ दो पर

असम प्रश्नपत्र लीक मामला

शिक्षा मंत्री ने स्कूलों को ठहराया दोषी, बोर्ड को दी क्लीन चिट

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के शिक्षा मंत्री रणोज पेगु ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि कक्षा 11 के प्रश्नपत्रों का लीक स्कूल स्तर पर हुआ, न कि राज्य शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) के स्तर पर। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस समस्या से निपटने के लिए नीति-निर्माण आवश्यक होगा, क्योंकि प्रश्नपत्र लीक होने के कारण 36 विषयों की परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। कक्षा 11 की परीक्षाओं की रद्दीकरण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक अब्दुर रशीद मंडल ने मुद्दा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुस्लिमों का राजनीतिक समर्थन जुटाने की तैयारी में भाजपा

ईद पर 32 लाख परिवारों को देगी सौगात-ए-मोदी किट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिमों का राजनीतिक समर्थन जुटाने की पहल की है। पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा ने ईद के मौके पर 32 लाख मुस्लिमों को विशेष किट बांटने की तैयारी की है। पार्टी ने इस अभियान को सौगात-ए-मोदी नाम दिया है। इस अभियान के तहत मोर्चा के 32 हजार कार्यकर्ता देश भर की32 हजार मस्जिदों से संपर्क करके जरूरतमंदों तक पहुंचेंगे। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सौगात ए मोदी अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य गरीब मुस्लिम परिवारों को लाभान्वित करना है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के ईद का त्योहार मना सकें। जमाल सिद्दीकी ने कहा कि रमजान के पाक महीने से शुरू हो रहा यह अभियान ईद, गुड फ्राइडे, ईस्टर और भारतीय नववर्ष के मौके पर भी अल्पसंख्यकों तक पहुंचेगा। इसके अलावा जिला स्तर पर ईद मिलन समारोह आयोजित किए जाएंगे। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता यासिर जिलानी ने सौगात ए मोदी अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है। साथ ही भाजपा और एनडीए के लिए मुस्लिमों का राजनीतिक सहयोग जुटाना है। इस अभियान के जरिये भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा 32 लाख मुस्लिम परिवारों तक पहुंचेगा। सौगात ए मोदी अभियान के तहत दी जानी वाली किट में विभिन्न सामान दिए गए हैं। किट में कपड़े, सेवईं, मेवा, मिठाई शामिल है। महिला किट में सूट और पुरुष किट में कुर्ता-पजामा शामिल किया गया। सूत्र बताते हैं कि एक किट की कीमत 500 से 600 रुपए है।

मुख्यमंत्री हिमंत और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने जल जीवन परियोजनाओं पर चर्चा की

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। लगभग 30 मिनट तक चली बैठक में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दोनों ने असम में जल जीवन मिशन के तहत सिलसाको बील (वेटलैंड) और अन्य परियोजनाओं के कायाकल्प की योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। बाद में, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री @CRPaatil जी के साथ मेरी बहुत अच्छी बैठक हुई। हमने सिलसाको बील को पुनर्जीवित करने की अपनी योजनाओं और असम में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन से संबंधित अन्य मुद्दों के बारे में विस्तार से बात की।

सीएम डॉ. शर्मा ने शोक संतप्त केंद्रीय मंत्री के आवास जाकर संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को हरियाणा के गुड़गांव के जमालपुर स्थित केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता स्वर्गीय कदम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दिवंगत कदम सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अपने 40 मिनट के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री यादव और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से उन्हें इस भारी क्षति को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा सिंचाई राज्य मंत्री अशोक सिंघल भी मौजूद थे, जिन्होंने यादव और उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। यादव के अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर गणमान्य व्यक्तियों का तांता लगा हुआ है। यादव के पिता कदम सिंह ने गत 15 मार्च को अंतिम सांस ली।

असम के नेताओं ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राजनीतिक नेताओं ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया, जिन्होंने विनम्रता और दूरदर्शी नेतृत्व का अद्भुत संतुलन बनाया। सिंह को भारत के आर्थिक उदारीकरण के मुख्य शिल्पकार के रूप में जाना जाता है। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सिंह की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उनकी विनम्रता, ईमानदारी और आर्थिक सुधारों में उनकी भूमिका को हमेशा याद किया जाएगा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मनमोहन सिंह के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए उनकी सादगी और विद्वत्ता की सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि डॉ. सिंह ने कभी सत्ता के प्रभाव को अपने आचरण पर हावी नहीं होने दिया। उनकी बुद्धिमत्ता और शालीनता ने हर किसी को प्रभावित किया। शर्मा ने भारत को बाजार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने में उनकी भूमिका की भी सराहना की।

जस्टिस वर्मा कैश कांड पर सर्वदलीय बैठक, नहीं निकला कोई नतीजा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर अग्निकांड में जले हुए नोट बरामद होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट करने की सिफारिश की है।चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना द्वारा गठित जांच कमेटी आज तफ्तीश के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा के नई दिल्ली स्थित तुगलक क्रिसेंट रोड के सरकारी आवास पर पहुंची थी। इस बीच मंगलवार को इस मुद्दे को लेकर सर्वदलीय फ्लोर लीडर्स बैठक हुई। बताया जा रहा है कि राज्यसभा के सभापति के साथ हुई यह बैठक करीब एक घंटे तक चली। अब सभी फ्लोर लीडर्स अपनी पार्टियों में चर्चा कर ये जानने की कोशिश करेंगे कि इस मुद्दे पर उनकी क्या राय है। आज की बैठक में कोई नतीजा नहीं निकल सका कि आखिर इस मुद्दे पर आगे क्या करना चाहिए। अब जल्द ही एक और बैठक होगी जिसमें आगे क्या करना है इस पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, इस मुद्दे को लेकर एक दिन पहले यानी सोमवार को कांग्रेस के आला नेताओं के बीच बैठक हुई। इस बैठक के बाद जस्टिस वर्मा के मुद्दे पर कांग्रेस का स्टैंड सामने आया। पार्टी का स्टैंड है कि मामले की कमेटी जांच करते समय अहम बातों का ख्याल रखे। जिसमें नकदी किसकी थी और कहां से आई, क्या यह मामला किसी केस से जुड़ा है, यह नकदी रिकॉर्ड में क्यों नहीं, करेंसी जलने की एफआईआर क्यों नहीं हुई और जब तक जांच कमेट की रिपोर्ट सामने नहीं आ जाती है तब तक जस्टिस वर्मा को होल्ड पर रखा जाए। जानकारी के मुताबिक, जस्टिस वर्मा के घर पर पहुंची जांच कमेटी करीब पौने घंटा तक वहां रुकी थी। इस जांच टीम में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल थी। यह जांच टीम दोपहर करीब 1 बजे जस्टिस के आवास पहुंची थी। जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित आवास पर 14 मार्च की रात करीब 11 बजे आग लगी थी। आग पर काबू पाने के लिए जब फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची तो उसने जो नजारा देखा वो सभी को हैरान कर देने वाला था। कर्मियों ने देखा कि तीन से चार बोरो में रखी नोट में आग लगी हुई थी जिसकी जानकारी तुरंत फायर डायरेक्टर और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को दो गई। इसके बाद दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने तुरंत एमएचए और वहां से नोट बरामदगी की जानकारी चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को दी गई।

कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए छह देशों ने असम में यात्रा प्रतिबंध लगाए : मंत्री

गुवाहाटी। असम के पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास ने मंगलवार को विधानसभा को बताया कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और स्विट्जरलैंड समेत छह देशों ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर अपने नागरिकों के लिए असम और शेष पूर्वोत्तर की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। दास कांग्रेस विधायक रेकीबुद्दीन अहमद के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। जिन देशों ने ये प्रतिबंध लगाए हैं वे हैं संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और स्विट्जरलैंड। उन्होंने कहा कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए ये प्रतिबंध असम के साथ-साथ अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भी लगाए गए हैं। दास ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पर्यटन विभाग इन देशों को ये प्रतिबंध हटाने के लिए राजी करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में है। मंत्री ने कहा कि इस पहलू पर विचार करने के लिए हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की एक उच्च स्तरीय टीम ने असम का दौरा किया था। उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या 98,31,141 थी, जो 2023-24 में घटकर 70,67,335 और 2024-25 (जनवरी तक) में 67,88,565 रह गई। चाय पर्यटन को बढ़ावा देने पर दास ने कहा कि राज्य सरकार ने 2022-23 में असम में चाय पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और विकास योजना शुरू की है। इस योजना के तहत चयनित चाय बागानों को पर्यटन क्षमता और हेरिटेज बंगलों के विकास के लिए 2 करोड़ रुपए का अनुदान मिलेगा। मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत पहले चरण में 22 चाय बागानों का चयन किया गया है जबकि दूसरे चरण में 34 बागानों का चयन किया गया है।

सौ दिवसीय अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए तैयार किया एक मजबूत आधार : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख साझा करते हुए कहा कि हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति देखी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है, इसे अवश्य पढ़ें। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गर्व के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है। हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान ने न केवल नवाचार की शक्ति का प्रदर्शन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि समुदायों को संगठित करना कार्यक्रम संबंधी दृष्टिकोण को बदलने जितना ही महत्वपूर्ण है। मामलों का पता लगाने में तेजी लाकर, मृत्यु दर को कम करके और नए संक्रमणों को रोककर, इस अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मजबूत नींव रखी है।

लोस के बाद रास से भी पास हुआ आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा ने मंगलवार को आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पास कर चुकी है। इसके साथ ही विधेयक को संसद के दोनों सदनों की मंजूरी मिल गई। गृहमंत्री अमित शाह ने आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक-2024 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए सदस्यों को आश्वस्त कराया कि इससे संघीय ढांचे को नुकसान नहीं होगा। सरकार की मंशा आपदा की लड़ाई में केंद्र, राज्य सरकार, पंचायत और प्रत्येक नागरिक को जोड़ने की है। उन्होंने कहा कि अब, चिंताओं को व्यक्त किया जा रहा है कि शक्ति का केंद्रीकरण होगा। यदि आप पूरे बिल को ध्यान से पढ़ते हैं तो कार्यान्वयन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन के साथ है जो राज्य सरकार के अधीन है। इसलिए कहीं भी संघीय संरचना को नुकसान पहुंचाने की कोई संभावना नहीं है। अमित शाह ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य आपदा प्रबंधन से जुड़ी लड़ाई को प्रतिक्रिया से आगे बढ़कर समय-पूर्व बचाव और उससे भी आगे जाकर इसमें नवाचार और सहभागिता को शामिल करना है। एनडीआरएफ पर लोगों के विश्वास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज एनडीआरएफ की 16 बटालियन काम कर रही हैं। यह आपको थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं कह सकता हूं कि एनडीआरएफ के भगवा रंग के कपड़े लोगों को यह विश्वास दिलातें हैं कि यह आ गए, अब हम बच जाएंगे। गृहमंत्री ने इस दौरान आपदा राहत पर पक्षपात के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग ने आपदा राहत को लेकर एक वैज्ञानिक तंत्र तैयार किया है। मोदी सरकार इस तंत्र के तहत कार्य कर रही है और किसी को भी काम या ज्यादा नहीं दिया गया है। इस दौरान गृहमंत्री ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्तर पर बढ़ती साख का उल्लेख किया। गृहमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में हम राष्ट्रीय स्तर से ग्लोबल पावर बनकर उभरे हैं। भारत की पहल पर बने आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन के आज 42 देश और 7 अंतर्राष्ट्रीय संगठन सदस्य हैं। यह विधेयक भारत की इस सफल कहानी को लंबे समय तक बनाने रखने के लिए लाया गया है। शाह ने आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2004-14 में एसडीआरएफ का बजट सिर्फ 38 हजार करोड़ था, जबकि मोदी सरकार में वर्ष 2014-24 में बढ़कर एक लाख 24 हजार करोड़ हो गया। इसी तरह एनडीआरएफ का बजट वर्ष 2004-14 में 28 हजार करोड़ था, जबकि मोदी सरकार में 2014-24 में बढ़कर 80 हजार करोड़ करने का काम किया गया। शाह ने कहा कि पूरे संसार में सबसे अच्छा कोविड प्रबंधन भारत में हुआ है। पूरा विश्व आज इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

विस अध्यक्ष ने सीएम...

दी जाती है जब यह स्थापित हो सके कि किसी मंत्री ने जानबूझकर सदन को गुमराह किया था या गलत जानकारी दी थी। लेकिन दोनों मामलों में, कांग्रेस यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दे सकी कि मुख्यमंत्री का सदन को गुमराह करने का इरादा था, अध्यक्ष ने तर्क दिया। दैमारी ने कहा कि अगर कांग्रेस शर्मा के बयान से आश्वस्त नहीं थी, तो वे सदन में अन्य प्रावधानों के माध्यम से इस मामले को उठा सकते थे, और दोनों विशेषाधिकार हनन प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते थे। स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल के कुछ हालिया बयानों पर सैकिया द्वारा उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर, दैमारी ने कहा कि वे सदन के बाहर की घटनाओं से संबंधित हैं। चूंकि निंदा प्रस्ताव केवल सदन के अंदर की घटनाओं के लिए स्वीकार्य है, इसलिए दैमारी ने मंत्री के खिलाफ विपक्ष के नेता के इस तरह के प्रस्ताव के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

पंचायत चुनाव अप्रैल ...

राजनीतिक दल से जुड़े उम्मीदवार नहीं होंगे। रंजीत कुमार दास ने कहा कि राजनीतिक दलों से जुड़े उम्मीदवार केवल आंचलिक पंचायत और जिला परिषद स्तर पर ही होंगे। इसके अलावा पिछले दो बच्चों के मानदंड और शैक्षणिक योग्यता मानदंड भी इस चुनाव में लागू होंगे। असम सरकार ने राज्य विधानसभा में असम पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित किया। नए संशोधन विधेयक के अनुसार गांव पंचायत या आंचलिक पंचायत या जिला परिषद के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी हाटों की बंदोबस्ती, संबंधित गांव पंचायत या आंचलिक पंचायत या जिला परिषद के कार्यालय में उसके अध्यक्ष द्वारा निविदाएं आमंत्रित करके, एक पंचायत वर्ष के साथ मेल खाते हुए और उससे अधिक की अवधि के लिए निर्धारित तरीके से की जाएगी; राज्य सरकार ऐसे सरकारी हाटों को, जिनका बंदोबस्त मूल्य एक वर्ष में 5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए तक है, उस आंचलिक पंचायत को हस्तांतरित कर देगी, जिसके क्षेत्राधिकार में वह हाट स्थित है; जिला परिषद के क्षेत्राधिकार में आने वाले ऐसे हाट जिनका वार्षिक बंदोबस्त मूल्य 10 लाख रुपए से अधिक है, की बंदोबस्ती संबंधित जिला परिषद द्वारा एक पंचायत वर्ष के साथ मेल खाते हुए और उससे अधिक की अवधि के लिए निर्धारित तरीके से की जाएगी। ऐसी निविदाओं की जांच और अंतिम स्वीकृति की शक्तियां धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (ए) के अनुसार स्थायी समिति में निहित होंगी: बशर्ते कि उपरोक्त उपधारा के तहत स्थानांतरण, ऐसी आय और कुछ अन्य संशोधनों के अगले पंचायत वर्ष से प्रभावी होगा।

जम्मू-कश्मीर को ...

विधानसभा में एनसी के नेतृत्व वाली सरकार के पहले विधेयक पर कश्मीर आधारित विपक्ष ने विरोध जताया है। विधानसभा में आज जब उमर अब्दुल्ला ने सदन में जम्मू-कश्मीर वस्तु एवं सेवा (संशोधन) अधिनियम-2025 पेश किया, तो सज्जाद लोन खड़े हो गए और विधेयक पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर को यूटी में बदलने का समर्थन होगा। मैं इस पाप का हिस्सा नहीं बनूंगा। लोन ने गुस्से में कहा और बाहर चले गए। पीडीपी के वहीद-उर-रहमान पारा ने भी विधेयक पर आपत्ति जताई। जीएसटी कानून में एनसी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रस्तावित संशोधनों में *जम्मू-कश्मीर सरकार* की जगह *जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश सरकार* लिखा गया है।

शिक्षा मंत्री ने स्कूलों ...

उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) को परीक्षाओं के संचालन की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन गठन के तुरंत बाद ही वह अपनी पहली परीक्षा ठीक से आयोजित करने में विफल रहा। मंडल ने बोर्ड अध्यक्ष आरसी जैन की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए उनके तत्काल निष्कासन की मांग की। साथ ही, उन्होंने मंत्री पेगू से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की परंपरा का पालन करने की बात कही। पेगू ने जवाब में कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटना 15 स्कूलों से जुड़ी थी, जिनमें 12 निजी और 3 सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय शामिल हैं। इन सभी स्कूलों की संबद्धता तत्काल निलंबित कर दी गई और नए सत्र में प्रवेश पर रोक लगा दी गई। मंत्री ने यह भी कहा कि कक्षा 10 और 12 की परीक्षाओं पर विशेष ध्यान दिया गया था, और एएसएसईबी ने उन्हें सुचारू रूप से संपन्न कराया। कक्षा 11 की परीक्षा के प्रश्नपत्र पहले ही स्कूलों को सौंप दिए गए थे, लेकिन कुछ जगहों पर समय से पहले उनकी मुहरें तोड़ी गईं। यह समस्या स्कूल स्तर पर पैदा हुई है, इसलिए इसे वहीं हल करना होगा, पेगु ने कहा कि यह स्पष्ट करते हुए कि एएसएसईबी की कोई गलती नहीं थी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भविष्य में निजी स्कूलों में कक्षा 11 की परीक्षा आयोजित करने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। निजी स्कूलों को प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षा केंद्र के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए इस पहलू पर भी विचार करना होगा। पेगु ने सदन को जानकारी दी कि एएसएसईबी की एक बैठक सोमवार को आयोजित हुई और कक्षा 11 की परीक्षाओं की नई तिथियां पंचायत चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद जारी की जाएंगी।

ईद से पहले मक्का से आया बड़ा बयान-

गाजा में कत्लेआम कर रहे इजराइल की अब खैर नहीं

नई दिल्ली। इजराइल ने एक बार फिर गाजा पर हमला शुरू कर दिया है, जिससे अब तक 900 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस क्रूर कार्रवाई के कारण पूरी दुनिया में इजराइल की आलोचना हो रही है। इसके साथ ही इजराइल सरकार ने गाजा से फिलिस्तीनियों को हटाने के लिए एक विशेष एजेंसी बनाने की भी घोषणा की है, जिसने मुस्लिम देशों के बीच नाराजगी की लहर पैदा कर दी है। इजराइल की इन नीतियों से परेशान होकर मुस्लिम वर्ल्ड लीग (एमडब्ल्यूएल) ने एक कड़ा बयान जारी किया है। इस बयान में इजराइल द्वारा फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने की योजना की कड़ी निंदा की गई है। साथ ही, वेस्ट बैंक में 13 अवैध बस्तियों को अलग करने के फैसले को भी अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया गया है। मुस्लिम वर्ल्ड लीग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर अपने महासचिव शेख डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इस्सा का बयान साझा किया। इस बयान में उन्होंने कहा कि कि यह इजराइली कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय और मानवीय कानूनों का बर्बर उल्लंघन है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि ऐसे कदम शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं को खत्म कर रहे हैं और क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिरता के लिए बाधा बन रहे हैं।

भाजपा का बरपेटा मोरीगांव में प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नोमल मोमिन पर कथित हमले के खिलाफ भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने मंगलवार को बरपेटा और मोरीगांव में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विधायक नुरुल हुडा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। बरपेटा जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तख्तियां लेकर रैली निकाली और कांग्रेस विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र दास ने इस घटना को लोकतंत्र पर हमला करार दिया।

सरकारें ही नहीं अब तो आम लोगों का भी शौक बनने लगा है बुलडोजर एक्शन

प्रेमी संग महिला हुई फरार तो परिजनों ने छह घरों पर चलवा दिया बुलडोजर

भरूच। अतीत में दुनिया भर में बुलडोजर का इस्तेमाल केवल खेती किसानी में होता था। लेकिन धीरे-धीरे इसका इस्तेमाल इमारतों को धराशायी करने और सड़कों को बनाने के लिए सतह को समतल और सपाट करने में होने लगा। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात ये वो चर्चित राज्य हैं जहां पर दंगाईयों या कुख्यात अपराधियों के घरों और अवैध ठिकानों को राज्य सरकारों की तरफ से जमीदोंज करने वाली तस्वीरें अक्सर आ जाती हैं। लेकिन राज्य सरकारों से इतर जब आम जनता भी बुलडोजर एक्शन करने लग जाए तब क्या हो? गुजरात में कुछ लोगों ने बुलडोजर जस्टिस के मामले में भूपेंद्र *दादा* पटेल सरकार से प्रेरणा ली है। भरूच जिले के जंबूसर तालुका के करेली गांव में एक अजीब घटना हुई। एक शादीशुदा महिला गांव के ही एक तलाकशुदा आदमी के साथ भाग गई। इसके बाद महिला के परिवार वालों ने गुस्से में आकर शख्स और उसके रिश्तेदारों के घर पर बुलडोजर चलवा दिया। शादीशुदा महिला के साथ कथित तौर पर फरार हुए व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों के घर बुल्डोजर से गिराने के आरोप में पुलिस ने छह ग्रामीणों को गिरफ्तार किया है। वेदाच पुलिस थाने के निरीक्षक बीएम चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में महिला के परिजन भी शामिल हैं। चौधरी ने बताया कि परिजनों को संदेह था कि दूसरे समुदाय का व्यक्ति शादीशुदा महिला को भगा ले गया है और इसी गुस्से में उन्होंने बुल्डोजर से व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों के घर तोड़े। यह घटना गुजरात के करेली गांव के भरूच जिले में 21 मार्च को हुई। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने 21 मार्च की रात को फूलमाली समुदाय के छह घरों को बुल्डोजर से क्षतिग्रस्त कर दिया। इनमें महिला के साथ फरार व्यक्ति का घर भी शामिल है। उन्होंने बताया कि महिला आणंद जिले के अंकलाव तालुका में अपने माता-पिता के घर आई थी और यहीं से वह कथित तौर पर व्यक्ति के साथ फरार हो गई।

असम सरकार दूरदराज के क्षेत्रों के लिए क्लस्टर आधारित शिक्षक कैडर शुरू करेगी

गुवाहाटी। असम सरकार चार (रेतीले) क्षेत्रों सहित दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षकों की भारी कमी को दूर करने के लिए क्लस्टर आधारित शिक्षक कैडर प्रणाली शुरू करने की तैयारी में है। मंगलवार को राज्य विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन इस निर्णय की घोषणा करते हुए असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उनके संबंधित क्लस्टरों में शिक्षण पदों पर भर्ती करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शिक्षक इन क्षेत्रों में ही रहें। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के तहत भर्ती किए गए शिक्षकों को उनके निर्धारित क्लस्टरों से बाहर स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। पेगू ने बताया कि कई शिक्षक दूरदराज के इलाकों में पोस्टिंग का विरोध करते हैं और स्थानांतरण से बचने के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इसका मुकाबला करने के लिए, सरकार चार क्षेत्रों में स्कूल-विशिष्ट पद बनाने और उसी क्लस्टर के भीतर स्थानांतरण को प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। पेगू ने कहा कि अगर कोई शिक्षक क्लस्टर छोड़ना चाहता है, तो उसे इस्तीफा देना होगा। असम में 20:1 छात्र-शिक्षक अनुपात बनाए रखने के बावजूद, कुछ स्कूलों में अभी भी असमान वितरण के कारण शिक्षकों की कमी है। पेगु ने कहा कि कई शिक्षक सुगम जिलों में तैनात हैं, जिससे दूरदराज के स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। सरकार ने एक युक्तिकरण कार्यक्रम और एक ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली शुरू की है, जिसके तहत अब तक 35,000 शिक्षकों का सफलतापूर्वक स्थानांतरण किया गया है। हालांकि, स्थानांतरण प्रतिस्थापन उपलब्धता पर निर्भर हैं। शिक्षा मंत्री ने माना कि कानूनी और प्रक्रियागत बाधाओं के कारण शिक्षक भर्ती एक लंबी प्रक्रिया है। उन्होंने निष्पक्ष भर्ती परीक्षा, प्रमाणपत्रों के सत्यापन और कानूनी दिशा-निर्देशों के अनुपालन की आवश्यकता का हवाला दिया। सरकार इंटर्नशिप कार्यक्रमों सहित अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसके तहत विश्वविद्यालय अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षु के रूप में भेज सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार असम शिक्षा फेलोशिप के तहत एक वर्षीय फेलोशिप पर विचार कर रही है, ताकि स्नातकों को टीईटी या बी.एड योग्यता की आवश्यकता के बिना एक वर्ष के लिए शिक्षक के रूप में काम करने की अनुमति मिल सके। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि स्कूल प्रांतीयकरण के लिए 1 जनवरी, 2006 की कटऑफ तिथि अपरिवर्तित रहेगी। इस तिथि से पहले माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (सेबा) या असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएससी) द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूलों पर विचार किया जाएगा। भूमि विवादों ने प्रक्रिया में देरी की है, लेकिन पात्र स्कूलों को प्रांतीय बनाने के प्रयास चल रहे हैं। इसके अलावा, सरकार स्कूल के बुनियादी ढांचे में निवेश कर रही है और वित्त वर्ष 2024-25 में 4,000 अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में 500 माध्यमिक विद्यालयों के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया जाएगा। पिछले वर्ष के दौरान 250 हाई स्कूलों को उच्चतर माध्यमिक स्तर तक उन्नत किया गया था, उन्होंने कहा। पेगु ने गुणोत्सव जैसी पहल के माध्यम से शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा 27 मार्च को परिणामों की घोषणा करने वाले हैं। पिछले साल ए+ ग्रेड हासिल करने वाले स्कूलों को पुरस्कार के रूप में 25,000 रुपए मिलेंगे।

बोको में आरएचएसी चुनाव से पहले झड़पें, कार्यालयों और वाहनों पर हमला

कामरूप (हिंस)। राभा हसोंग स्वायत्त परिषद (आरएचएसी) चुनाव से पहले गमेरीमुरा, बोको में दो गुटों के बीच तनाव बढ़कर हिंसा में बदल गया। देखते ही देखते यह टकराव आगजनी और तोड़फोड़ में तब्दील हो गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अज्ञात उपद्रवियों ने 24 नंबर लुकी निर्वाचन क्षेत्र से राभा हसोंग संयुक्त संघर्ष समिति और एनडीए की उम्मीदवार तिलोत्तमा राभा के कार्यालय को आग के हवाले कर दिया। इसी दौरान, एक अन्य समूह ने गमेरीमुरा एआरएसयू कार्यालय पर हमला कर वहां जमकर तोड़फोड़ की और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। हिंसा के दौरान वाहनों को भी निशाना बनाया गया। एक मोटरसाइकिल को आग लगा दी गई, जबकि दूसरी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल पैदा हो गया। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को तत्काल हस्तक्षेप करना पड़ा। बोको पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने के लिए तैनात की गई। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ राज्यभर में तीव्र विरोध, असम प्रदेश भाजपा ने की निंदा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा ने असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन पर बंगाली मूल के कांग्रेस विधायक नुरुल हुदा द्वारा किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। भाजपा ने दोषी कांग्रेस विधायक के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही, विधानसभा की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपरा की रक्षा के लिए मंगलवार को राज्यभर में सभी जिला मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन कर उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा गया। राज्य भाजपा कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि यह घटना असम विधानसभा के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज होगी। पवित्र विधानसभा में पहले कभी न देखी गई अराजक स्थिति उत्पन्न हुई। बयान में कांग्रेस विधायक नुरुल हुदा द्वारा उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन पर किए गए हमले को निंदनीय और शर्मनाक करार दिया गया। भाजपा ने यह भी कहा कि एआईयूडीएफ विधायकों द्वारा सदन में किए गए उपद्रव से असमिया समाज की परंपराओं को ठेस पहुंची है। भाजपा ने कांग्रेस और एआईयूडीएफ विधायकों के आक्रामक रवैये को असम के भविष्य के लिए खतरा बताया और चेतावनी दी कि इस आक्रामक मानसिकता को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। बयान में कहा गया कि असम की जनता कांग्रेस और एआईयूडीएफ विधायकों के इस व्यवहार से चिंतित है। यह पहली बार है जब असम विधानसभा में ऐसा कृत्य हुआ है। भाजपा ने कांग्रेस विधायक के इस हमले को असमिया समाज के लिए खतरे की घंटी बताया और नुरुल हुदा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही, विधानसभा में एआईयूडीएफ विधायकों द्वारा उत्पन्न अराजकता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

विधानसभा उपाध्यक्ष पर कांग्रेस विधायकों का हमला दुर्भाग्यपूर्ण : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में चर्चा का जवाब दिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने असम विधानसभा में उपाध्यक्ष व वरिष्ठ जनजातीय नेता डॉ. नोमल मोमिन पर हमला सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वे उनके विचारों से सहमत नहीं थे। विधानसभा उपाध्यक्ष पर कांग्रेस विधायकों का हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। अपने जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि असम में उनकी सरकार ने कानून-व्यवस्था में कई सुधार किए हैं, लेकिन कुछ जिले ऐसे हैं, जहां स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक, बाइक चोरी और अन्य अपराध आम हो गए हैं। अगर इन इलाकों या लोगों का नाम लिया जाए, तो कुछ लोग फिर से विरोध करने लगेंगे। डॉ. शर्मा ने कांग्रेस शासनकाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उस समय हर जगह घोटालों की खबरें अखबारों में छपती थीं। चाहे धोती-कंबल वितरण हो या ट्रांसफर-पोस्टिंग, हर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार फैला था, लेकिन उनकी सरकार ने अब सभी क्षेत्रों में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। उन्होंने घोषणा की कि मई महीने में उनकी सरकार एक ही दिन में आठ हजार ट्रांसफर आदेश जारी करेगी।

एनसीसी पूर्वोत्तर क्षेत्र ने उत्कृष्टता का किया सम्मान, राज्यपाल हुए शामिल

सर्वश्रेष्ठ कैडेटों, शिक्षण संस्थानों और एनसीसी स्टाफ को किया सम्मान

गुवाहाटी (हिंस)। एनसीसी उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) ने मंगलवार को गुवाहाटी के कलाक्षेत्र में वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 2024-25 के दौरान सातों पूर्वोत्तर राज्यों के कैडेटों, शिक्षण संस्थानों और एनसीसी स्टाफ की उत्कृष्ट उपलब्धियों और योगदान को सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य थे। वहीं, असम की खेल और युवा मामलों की मंत्री नंदिता गार्लोसा ने भी इसमें शिरकत की और पुरस्कार वितरित किए। एनसीसी एनईआर ने इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसरों (एएनओ), गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टरों (जीसीआई), एनसीसी स्टाफ और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को सम्मानित किया। राज्यपाल आचार्य ने अपने संबोधन में पुरस्कार विजेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनसीसी युवा पीढ़ी में नेतृत्व, अनुशासन और देशभक्ति की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज हम उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जिन्होंने इन मूल्यों को अपनाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस कार्यक्रम की एक बड़ी विशेषता 55 पुरस्कारों का वितरण रहा, जो उन व्यक्तियों और शिक्षण संस्थानों को दिए गए जिन्होंने 2024-25 में एनसीसी की छवि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। श्रेष्ठ कैडेटों को उनकी नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, जबकि श्रेष्ठ एएनओ को उनके मार्गदर्शन के लिए सराहा गया। राज्यपाल ने एनसीसी एनईआर के सर्वश्रेष्ठ समूह के रूप में जोरहाट को, सर्वश्रेष्ठ एनसीसी यूनिट के रूप में 5 असम बटालियन एनसीसी को ट्रॉफी और बैनर प्रदान किया। वहीं, साउथ प्वाइंट स्कूल गुवाहाटी की एएनओ लेफ्टिनेंट मोइत्री हजारिका को सर्वश्रेष्ठ महिला एएनओ और मेघालय के कैप्टन जेपी उपाध्याय को सर्वश्रेष्ठ पुरुष एएनओ के रूप में सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सिलचर के एसयूओ वीरज्योति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ पुरुष कैडेट और एसयूओ भावना थापा को सर्वश्रेष्ठ महिला कैडेट के रूप में चुना गया। इस समारोह में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मेजर जनरल गगनदीप (सेना मेडल), एडीजी एनसीसी एनईआर और एनसीसी एनईआर के सभी ग्रुप कमांडर उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी ने इस अवसर के महत्व को और बढ़ा दिया। इस दौरान नए डीजी एनसीसी एनईआर ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए शिक्षण संस्थानों की भूमिका की सराहना की और एनसीसी के लक्ष्य को दोहराया कि यह अनुशासित और सेवा भाव से ओत-प्रोत युवा पीढ़ी को तैयार करने का प्रयास करता रहेगा।

गौरव गोगोई पाक संबंध : अहमदाबाद स्थित पर्यावरणविद से असम पुलिस ने की पूछताछ

गुवाहाटी। गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ गोगोई के पाकिस्तान संबंधों की जांच कर रहे असम पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को अहमदाबाद में एक पर्यावरणविद से पूछताछ की। अखिल भारतीय आपदा न्यूनीकरण संस्थान (एआईडीएमआई) के निदेशक मिहिर आर भट्ट से पूछताछ करने के लिए टीम गुवाहाटी से अहमदाबाद गई थी। एआईडीएमआई के आधिकारिक बयान के अनुसार, भट्ट ने जलवायु परिवर्तन अनुकूलन को आगे बढ़ाने के लिए चरम घटनाओं और आपदाओं के जोखिम के प्रबंधन पर जलवायु परिवर्तन के लिए अंतर-सरकारी पैनल की विशेष रिपोर्ट में शामिल होने के बाद से अत्यधिक गर्मी पर काम किया है। एआईडीएमआई ने कहा कि भट्ट ने भारत और इस क्षेत्र में गर्मी पर जलवायु और विकास ज्ञान नेटवर्क के काम का नेतृत्व किया है। अखिल भारतीय आपदा न्यूनीकरण संस्थान (एआईडीएमआई) छह वर्षों से शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी पर काम कर रहा है, जिसमें छोटे व्यवसायों और ग्रामीण क्षेत्रों में पारिवारिक खेतों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वह वर्तमान में भारत के एक राज्य की कृषि जोखिम न्यूनीकरण योजना में अत्यधिक गर्मी के जोखिमों को शामिल करने; भारत में नागरिक समाज के फ्रंटलाइन श्रमिकों की क्षमता का निर्माण करने; और शीतलन वित्त की मांग पक्ष पर शोध में शामिल हैं। असम पुलिस सूत्रों के अनुसार, भट्ट पहले कांग्रेस सांसद की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई के साथ लीड इंडिया जलवायु संगठन में काम कर चुके हैं, जो अपनी गतिविधियों के कारण जांच के घेरे में आ गया है। इससे पहले, एसआईटी टीम ने ब्रिटिश उच्चायोग में दो कर्मचारियों से पूछताछ की ताकि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के साथ उनके संबंधों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके, जिसका नाम असम पुलिस ने सांप्रदायिक सौहार्द को अस्थिर करने में कथित भूमिका के लिए एफआईआर में दर्ज किया है। शेख राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारी हासिल करने में अपनी कथित भूमिका के लिए जांच के घेरे में हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तान संबंधों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी शुरुआती जांच में प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईटी को पाकिस्तानी नागरिक अली शेख से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं, जो अपनी कई भारत यात्राओं और असम की राजनीति में अत्यधिक रुचि व्यक्त करने वाले अपने विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट के कारण सवालों के घेरे में रहा है। शेख पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल समेत एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे। शर्मा ने कहा कि शेख समेत पाकिस्तानी दल 2018 तक अक्सर भारत आता रहा और लोगों की नजरों से बचने के लिए छोटे होटलों में रुकता रहा। शर्मा ने कहा कि हम इस पाकिस्तानी नागरिक से जुड़े पूरे तंत्र की जांच कर रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो हम इंटरपोल की मदद लेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच के लिए चार सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। गौरव गोगोई ने पाकिस्तान से किसी भी तरह के संबंध होने के दावों का खंडन किया है और कहा है कि वह एसआईटी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं।

हाथीगढ़ गांव में जितेंद्र गिरी के बांस की खेती को बदमाशों ने लगाया आग

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव महकमा अंतर्गत गुरुफेला पुलिस चौकी के अंतर्गत दो नंबर हाथीगढ़ गांव में जितेंद्र गिरी के पांच बीघा बॉस की खेती को अज्ञात बदमाशों ने जला दिया। जिससे लाखो रुपए का नुक्सान हुआ है। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल घटना स्थल में पहुंच गई और मामले की जाच में जुट गई है। वहीं जितेंदर गिरी ने पत्रकारों के साथ साक्षतकार में कहा कि मैं प्रशासन से अनुरोध करता हूं की इस घटना में जरिट लोगों को जल्द से जल्द पुलिस प्रशासन गिरफ्तार कर उजीत न्यायिक दंड दिए जाने की व्यवस्था किया जाए।

दक्षिण मकरा में भीषण आग, कई घर जलकर राख, मवेशियों की मौत

चिरांग (हिंस)। असम के चिरांग जिले के बिजनी उपखंड अंतर्गत दक्षिण मकरा नंबर 4 में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही मची। जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत स्थानीय निवासी सरबत अली के घर से हुई और देखते ही देखते आसपास के घरों तक फैल गई। इस अग्निकांड में दो घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। हादसे में एक गाय की मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से झुलस गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बिजनी से पहुंचे दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया, जिससे और बड़ी दुर्घटना टल गई। प्रशासन ने आग लगने के सटीक कारणों और हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जांच शुरू कर दी है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

चिरांग जिले ने प्रारंभिक गर्भावस्था पंजीकरण और फोलिक एसिड पर आईईसी/बीसीसी अभियान शुरू किया

विकसित भारत समाचार

चिरांग। प्रारंभिक गर्भावस्था पंजीकरण और फोलिक एसिड के सेवन के महत्व के लिए आईईसी/बीसीसी (सूचना, शिक्षा, संचार / व्यवहार परिवर्तन संचार) अभियान पर एक जिला स्तरीय लॉन्चिंग कार्यक्रम मंगलवार को चिरांग में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सम्मेलन हॉल में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह राज्य-विशिष्ट पहल शिशु मृत्यु दर, समय से पहले प्रसव, कम वजन वाले बच्चों और मृत जन्मों को कम करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। अभियान का प्राथमिक फोकस अंतिम मासिक धर्म (एलएमपी) के पहले 12 सप्ताह के भीतर प्रारंभिक गर्भावस्था की पहचान और पंजीकरण को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान फोलिक एसिड के सेवन के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना, फोलिक एसिड अनुपूरण के साथ उच्च अनुपालन सुनिश्चित करना और अंतत: इन महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की अधिक मांग को बढ़ावा देना है। इस अभियान का व्यापक लक्ष्य मृत जन्म, कम वजन वाले शिशुओं और समय से पहले जन्म की घटनाओं को कम करके पूरे राज्य में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाना है। समुदायों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को सूचना और संसाधनों से सशक्त बनाकर, इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है। इस कार्यक्रम में जिला टीबी अधिकारी डॉ. राजेश पांडे, जिला नोडल अधिकारी डॉ. राजू कुमार दास, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मीडिया विशेषज्ञ, जिला परिवार नियोजन समन्वयक और सभी उप-केंद्रों के सीएचओ शामिल हुए, जिनमें से सभी ने इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए अपना मजबूत समर्थन व्यक्त किया।

विश्वनाथ चाराली और पाभोई संच के 47 आचार्यों ने प्रशिक्षण लिया

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले पाभोई रोड के खेरबाड़ी प्राथमिक विद्यालय में आज एकल अभियान तेजपुर अंचल के अंतर्गत चाराली तथा पाभोई संच के आचार्य-आचार्या का पांच दिवसीय आवासीय अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। चाराली संच के विशेष सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित से हुआ। जिसका शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास, चाराली संच अध्यक्ष बिराज कुर्मी, भाजपा विश्वनाथ जिला साधारण सचिव रातुल नाथ, कल्याण आश्रम असम विश्वनाथ जिला के सांगठनिक मंत्री सोमराम भगत, कल्याण आश्रम असम के विश्वनाथ जिला अंशकालिक कार्यकर्ता संतोष कुमार महतो, खेरबाड़ी प्राथमिक विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तुलसी शाह के उपस्थित में किया गया। इस आवासीय अभ्यास वर्ग में बौद्धिक, सत्र तथा प्रशिक्षक के रूप में क्रमश: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला मुख्य मार्ग प्रमुख डॉ. सरजीत दास, विश्वनाथ जिला बौद्धिक प्रमुख दीपांकर देवनाथ, उत्तर असम प्रांत के धर्मजागरण प्रमुख योगेश शास्त्री, प्रचारक कार्तिक गढ़, समाजिक कार्यकर्ता मृदुल हाजरिका, फिरोज दलै, मिथिला मुंडा, सुषमा जी, पाभोई संच सदस्य अनिल तांति उपस्थिति थे। इस कार्य को संपन्न करने के लिए स्वागत समिति बनाए गए जिसमें अध्यक्ष रबिन भूमिज, सचिव हनसिंग रंग्पी और सदस्य-सदस्या के देखरेख में अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ।

संपादकीय

आधी-अधूरी खुशी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है, लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति-नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। फिर भी शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एक हकीकत है, जिसको लेकर तमाम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय आंकड़े समय-समय पर आते रहते हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा। जागरूक नागरिक व जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व तसवीर बदल सकता है।

> खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति-नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है।

आज का कार्टून

आप का | नजरीया

गर्मी के तल्ख तेवर

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड-गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन-जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन-सहन, खान-पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं

क्या महिला किसानों तक पहुँच रही है तकनीक?

प्रियंका सौरभ

डिजिटल तकनीक और छोटे-मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफ़ी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाज़ार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाज़ार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म, जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई-शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाज़ार जैसे प्लेटफ़ॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की ज़रूरत नहीं पड़ती। महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए

> नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाजार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाजार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है।

सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएँ जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेज़ी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं। आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे-छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी-हल्किंग जैसे श्रम-गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालाँकि, मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप-टू-डेट बाज़ार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फ़सल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन-देन करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे-छोटे हस्तक्षेप जड़ जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफ़ोन तक सीमित पहुँच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुँचाती हैं, महिलाओं की अनूठी ज़रूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियाँ और कृषि विस्तार सेवाएँ अक्सर लिंग-विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं। केवल 13% ग्रामीण महिलाओं के पास ज़मीन है, इसलिए ऋण और कृषि कार्यक्रमों तक उनकी पहुँच बहुत सीमित है। कृषि और मत्स्य पालन में मशीनीकरण के बढ़ने से महिलाओं की नौकरियाँ चली गई हैं, जिससे उन्हें अधिक अस्थिर और अनौपचारिक रोज़गार में जाना पड़ रहा है। मछली बाज़ारों में बड़े खरीदारों और निर्यात व्यापारियों के बढ़ते प्रभुत्व ने छोटे पैमाने की महिला विक्रेताओं को हाशिये पर धकेल दिया है, जिससे मछली की आपूर्ति और उचित मूल्य तक उनकी पहुँच सीमित हो गई है। हालाँकि मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणाली नए अवसर प्रदान करती हैं, फिर भी कई ग्रामीण महिलाओं को स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट एक्सेस और डिजिटल कौशल की कमी के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में सिर्फ़ 31% ग्रामीण महिलाओं के पास स्मार्टफ़ोन हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आँकड़ा 51% है।

दृष्टि | कोण

हिंदी विरोध के पीछे सांप्रदायिक पूर्वाग्रह भी हैं

देश के धुर दक्षिणी प्रान्त तमिलनाडु में भारत की राष्ट्रभाषा- हिन्दी के विरोध में एक बार फिर से राजनीति गरमा रही है। अपनी राजनीति को बचाने के लिए प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन हिंदी विरोध को नए ढंग से हवा देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हमारे देश के राजनीतिज्ञों की यह प्रवृत्ति बन चुकी है कि वे निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए राजनीति को मनचाहे ढंग से हांकते हैं। हिंदी का विरोध करने वाले राजनीतिक लोगों का यह आरोप अनर्गल है कि इस समय केंद्र अपनी नई शिक्षा नीति के माध्यम से प्रदेश पर हिंदी को थोपने का काम कर रहा है। जब अमेरिका जैसा विशाल देश भी अमेरिकन इंग्लिश को अपनी राष्ट्रभाषा घोषित कर सकता है तो भारत को यह अधिकार क्यों नहीं है कि वह भी हिंदी को अपनी राष्ट्रभाषा घोषित करे? परन्तु भाषा के नाम पर होने वाले इस प्रकार के विरोध प्रदर्शन ही केंद्र सरकार को हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करने से रोक देते हैं। तोड़फोड़ और विखंडन के माध्यम से राष्ट्रवाद को कमजोर करने वाले असदुद्दीन ओवैसी और एमके स्टालिन जैसे राजनीतिज्ञों को जब कोई अन्य मुद्दा नहीं मिलता है तो वह अपनी परंपरागत राजनीति के माध्यम से लोगों के बीच विभेद उत्पन्न करने की नीति पर आ जाते हैं। वास्तव में इस समय देश की केंद्र सरकार को भाषा नीति के संबंध में स्पष्ट नियम बनाने चाहिए। इस बात पर आम सहमति बननी चाहिए कि हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करने के साथ-साथ स्थानीय भाषाओं को भी सम्मान के भाव से देखा जाता रहेगा, परंतु राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और लोगों के बीच हिंदी को संपर्क की भाषा बनाने के दृष्टिगत हिंदी को राष्ट्रभाषा का सम्मान मिलना समय की आवश्यकता है। यह बहुत ही दुःखद है कि असदुद्दीन ओवैसी जैसे राजनीतिक व्यक्ति भारत में अंग्रेजी की वकालत करते हुए दिखाई दें तो इसके पीछे कारण केवल एक है कि असदुद्दीन ओवैसी यह भली प्रकार जानते हैं कि वर्तमान परिस्थितियों में यदि वह उर्दू का पक्ष लेते हुए दिखाई देंगे तो लोग उन्हें किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे। तब उनके लिए

यह सरल है कि हिंदी के विरोध में दक्षिण के राज्यों के लोगों को उकसाया जाए और इसे एक मुद्दा बनाए रखकर राजनीति को भी गरमाए रखा जाए। तमिलनाडु में जिस प्रकार भाजपा अपना जनाधार बढाती जा रही है, उसे रोकने के लिए एमके स्टालिन के लिए यह सरल है कि वह हिंदी के विरोध में लोगों को भड़का दें। इस प्रकार की परिस्थितियों में स्पष्ट हो जाता है कि तमिलनाडु में हिंदी के विरोध में जो कुछ भी किया जा रहा है, उसके पीछे केवल और केवल राजनीति खड़ी है। लोग वहां पर रेलवे स्टेशनों पर हिंदी में लिखे नामों को मिटा रहे हैं, यदि ऐसा करने वाले लोगों कोई यह पता चल जाए कि ऐसा करने से उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही हो सकती है तो वह कभी भी ऐसा गैर कानूनी और राष्ट्र विरोधी कार्य नहीं करेंगे। वह ऐसा कार्य तभी कर पा रहे हैं जब उन्हें राजनीति छूट दे रही है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि एक समय वह था जब दक्षिण के लोग हिंदी का इसलिए विरोध करते थे कि हिंदी उर्दू, अरबी, फारसी के शब्दों से भरी हुई 'खिचड़ी भाषा' के रूप में उन्हें दिखाई देती थी। वह संस्कृतनिष्ठ हिंदी के समर्थक रहे हैं। अतः उन्हें उर्दू मिश्रित हिंदी का विरोध करना ही चाहिए था? इस प्रकार दक्षिण के हिंदू समाज के लोग शुद्ध राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपना कर हिंदी का विरोध कर रहे थे। जबकि ओवैसी जैसे लोग उर्दू की स्थिति को मजबूत करने के लिए हिंदी के स्वरूप को बिगाड़ने का खेल खेल रहे हैं। कहने का अभिप्राय है कि ओवैसी की मानसिकता सांप्रदायिक है और वह सांप्रदायिक आधार पर ही हिंदी का विरोध कर रहे हैं। अपने इसी दृष्टिकोण से आत्मप्रेरित होकर वह लोगों को हिंदी विरोध में उकसा रहे हैं। इसी समय दक्षिण भारत में ईसाई मिशनरियों की ओर भी हमें देखना चाहिए। ईसाई मिशनरियों की मानसिकता प्रारंभ से ही भारत में ईसा मसीह की शिक्षाओं को लागू करना रहा है। इसके लिए वह अंग्रेजी साहित्य को प्रोत्साहित कर बाइबिल की शिक्षाओं को भारत के लोगों पर लादना चाहते हैं। यह खेल सदियों पुराना है। आज जब देश के भीतर ईसाई मत को मानने वाले लोगों की संख्या अच्छी खासी हो गई है, तब ईसाई मिशनरियों या ईसाई लोगों के द्वारा दक्षिण में हिंदू और हिंदी का विरोध करना भी उनकी मजहबी सोच को ही प्रकट करता है। दक्षिण के और विशेष रूप से तमिलनाडु के लोगों को वह अंग्रेजी के प्रति पूर्वाग्रह रखने के लिए प्रेरित करते हैं। यह दुखद है कि आज दक्षिण के इस प्रांत में हिंदी को उपेक्षित कर अंग्रेजी के समर्थन में नारे लगाए जाते हैं। कितना अच्छा होता कि हिंदी का विरोध करने वाले लोग तमिलनाडु के रेलवे स्टेशनों पर अंग्रेजी में लिखे नाम को भी मिटाते? हिंदी के मूल्य पर अंग्रेजी की वकालत करने वाले लोगों को पश्चिमी जगत भी प्रोत्साहित कर रहा है। जबकि ओवैसी जैसे राजनीतिक लोगों को भी ऐसी कई देश विरोधी शक्तियों का समर्थन प्राप्त है जो भारत के लोगों को परस्पर के तुच्छ विवादों में उलझाए रखना चाहती हैं। इस प्रकार दक्षिण के भाषा संबंधी विवाद को इस्लाम और ईसाइयत की इस मजहबी संकीर्ण सोच के माध्यम से भी देखने की आवश्यकता है। दुर्भाग्यवश भारत की राजनीति और राजनीतिज्ञों को सब कुछ पता होते हुए भी विवाद की सबसे संवेदनशील नब्ज पर कोई भी हाथ नहीं रखेगा। यहां तक कि भाजपा भी ऐसा नहीं करेगी। इसका अंतिम परिणाम यह आता है कि मजहब के आधार पर राजनीति करने वाले कथित सेकुलर दलों की दाल गलती रहती है और राष्ट्र का अहित होता रहता है।

पाठ | पत्र

मनोबल गिराने वाली कार्रवाई...

किसी भी देश की सेना उस देश की आन, बान और शान होती है। अपने जीवन को देश की खातिर अर्पित कर, यह सैन्य बल देश की आजादी, अमन-चैन को कायम कर हमें खुली हवा में चैन की सांस लेने और नागरिक समाज को परिवारों सहित देश के भीतर खुशहाल बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। अभी हाल ही में पंजाब राज्य के पटियाला में ऑन ड्यूटी सेवा में रहते हुए एक कर्नल साहब पुष्पेंद्र सिंह बाथ एवं उनके बेटे को पटियाला पुलिस के एक नहीं, बारह पुलिस के जवानों ने मिलकर डंडों से निर्ममता के साथ पिटाई कर अधमरा कर दिया। ऐसा अत्याचार तो कोई दुश्मन देश भी हमारे जवानों को पकडने के बाद उन पर नहीं करता। यह कार्रवाई सैन्य बलों का मनोबल गिराने वाली है। दोषियों को दंड मिलना चाहिए।

-ठाकुर तारा, सुंदरनगर, मंडी

वैश्विक होती दुनिया में पेड़

फलक पर सबसे अहम्‌ गणना, जनगणना मानी जाती है। हालांकि पालतू-पशु, वन्य जीव और वृक्षों की गिनती भी होती रही है, लेकिन इन्हें जनगणना के मुकाबले अहमियत नहीं दी जाती। यही वजह रही कि विश्व स्तर पर वृक्षों की, की गई गिनती के निष्कर्षों को समाचार माध्यमों ने उतना महत्व नहीं दिया, जितना दिया जाना चाहिए था, जबकि पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया, पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं है। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं।

-प्रमोद भार्गव

प्रेरक | प्रसंग

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं होना चाहिए

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत

नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

कुछ | अलग

महावीर स्वामी की शिक्षाओं से क्या सीखें

डेढ़ बाजार की भीड़ में, ट्रैफिक के शोर में, भागते समय के पहियों के नीचे, क्या कभी रुक कर हमने अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? जिस आत्मा के साथ हम इस दुनिया में आए, क्या वह आत्मा अब भी वैसी ही शांत, निर्मल और उज्ज्वल है? शायद नहीं। और यही वह क्षण है जब महावीर स्वामी की वाणी की गूंज हमें भीतर तक झकझोर देती है। उन्होंने ही कहा था- "परिग्रह (मोह, लोभ) ही दुखों की जड़ है।" महावीर स्वामी, जिनका जन्म राजमहलों में हुआ, उन्होंने वह सबकुछ त्याग दिया, जिसे हम जीवन की उपलब्धि मानते हैं। क्यों? क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि बाहरी दुनिया की दौलत हमें भीतर की शांति नहीं दे सकती। आज हम भी उन्हीं महलों के नए रूप – बड़ी गाड़ियां, मोबाइल, चमकदार कपड़े, सोशल मीडिया की वाहवाही आदि में उलझे हैं। लेकिन क्या इन सबसे हमें सच्चा सुकून मिलता है? शायद नहीं। महावीर की पहली और सबसे बड़ी शिक्षा है – "अहिंसा परमो धर्मः" हम सोचते हैं, "मैंने किसी को मारा नहीं, तो मैं अहिंसक हूं।" लेकिन क्या यह पूरा सच है? हमारी वाणी की हिंसा – किसी को कटु बोल देना, किसी का अपमान कर देना, किसी की निंदा करना – ये सब हिंसा नहीं है क्या? आज के इस असहिष्णु समय में, जहाँ छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं, वहां अगर हम केवल महावीर की अहिंसा को जी लें, तो दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है। अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है – "सत्य"। महावीर कहते हैं, "जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो।" लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? हम अपने बच्चों से, मित्रों से, जीवन साथी से, ऑफिस में – हर जगह झूठ का सहारा लेते हैं। कभी डर के कारण, कभी अपने स्वार्थ के कारण। पर क्या यह झूठ हमें सुख देता है? नहीं। हर झूठ के पीछे छिपा डर, हमारी आत्मा को कचोटता रहता है।

देश | दुनीया से

राहुल गांधी के बयान के बाद कांग्रेस में मंथन शुरू

डेढ़ सौ साल पुरानी देश की इकलौती पार्टी कांग्रेस में इन दिनों संगठन की मजबूती के लिहाज से "सर्जरी" का दौर चल रहा है। पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी के गुजरात में दिए बयान के बाद निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को पार्टी से बाहर करने की कवायद शुरू हो गई है। अपने ही कार्यकर्ताओं की निष्ठा एवं समर्पण पर सवाल तथा भाजपा से कथित सांठ-गाँठ के आरोप के बाद अब कांग्रेस कार्यकर्ताओं की राजनीतिक विचारधारा के "डीएनए" की जांच पर पार्टी में अंदरखाने घमासान है। इसके साथ ही देश के लगभग सभी सूबों में कांग्रेस संगठन में बदलाव कर निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को बाहर कर नए कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देने का काम शुरू हो गया है। उधर, भाजपा ने राहुल गांधी के बयान तो लेकर कटाक्ष करते हुए उनकी अगुवाई में कांग्रेस के सबसे खराब प्रदर्शन की बात कहकर एक नया राजनीतिक विमर्श भी सेट कर दिया है। दरअसल, बीते दिनों गुजरात दौरे पर गए राहुल गांधी ने अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि पार्टी में दो तरह के नेता है। एक वो, जो जनता के साथ खड़े होते हैं, उनके लिए लड़ते हैं और उनका सम्मान करते हैं क्योंकि उनके दिल में कांग्रेस है। दूसरे, जो अलग-थलग बैठते हैं, लोगों का सम्मान नहीं करते और भाजपा के साथ सांठ-गांठ करते हैं। कांग्रेस में शेर तो हैं लेकिन वे चेन से बंधे हैं। अगर जरूरत हुआ, तो तीस चालीस प्रतिशत लोगों को कांग्रेस से बाहर निकाला जा सकता है। पार्टी फोरम पर अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी के विरुद्ध दिए गए इस बयान के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन का दौर शुरू हो गया है। पार्टी पदाधिकारी इस बयान को राहुल गांधी द्वारा पार्टी को मजबूती प्रदान करने की एक "सच्ची" कोशिश मान रहे हैं। वहीं, कुछ लोग गुप-चुप रूप से ही सही यह भी कहने से नहीं चूक रहे कि कार्यकर्ताओं के विरुद्ध इस कथित टिप्पणी से उनका मनोबल काम होगा और भाजपा के साथ लड़ाई में कांग्रेस एक बार फिर से कमजोर होगी। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद एक बार फिर से यह सवाल खड़े हुए कि आखिरकार कांग्रेस की हार के कारण क्या हैं? हार के मंथन के दौरान इंडिया गठबंधन के साथ पार्टी के तालमेल सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता और पार्टी के प्रति उनके समर्पण पर भी सवाल उठे।

राणा सांगा का जीवन स्वतंत्रता, साहस और बलिदान का प्रतीक : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चित्तौड़गढ़/ जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वीर-वीरांगनाओं का बलिदान हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता और सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ की धरती शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की तपोभूमि है। यहां कण-कण में वीरता की गाथाएं, पत्थर-पत्थर में इतिहास और कंकर-कंकर में बलिदान की प्रचंड आग धधक रही है। शर्मा मंगलवार को चित्तौड़गढ़ में जौहर स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम यहां केवल श्रद्धांजलि देने नहीं आए हैं, बल्कि शौर्य और त्याग की भावना को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग राष्ट्रीय अस्मिता और सनातन संस्कृति का प्रतीक है। यह वह पवित्र भूमि है जहां क्षत्रिय वीर मर मिटने का अपना सौभाग्य मानते थे। मेवाड़ के राज्य चिन्ह में भी आदिवासी प्रतिनिधि का चित्र सामाजिक समरसता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया मेवाड़ के वीरों से प्रेरणा लेती है लेकिन इस देश में कुछ ऐसे अराजक तत्व

हैं जो अपने वीरों पर अंगुली उठाते हैं। वे भूल जाते हैं कि सूर्य को कलंकित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राणा सांगा एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। राणा सांगा का जीवन स्वतंत्रता, साहस और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने न केवल मेवाड़ की रक्षा की, बल्कि समस्त भारतवर्ष की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अराजक तत्वों द्वारा दिए गए बयान न केवल राणा सांगा का अपमान है, बल्कि उन सभी योद्धाओं का अपमान है, जिन्होंने सनातन धर्म और इस धरती की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे लोगों को अपनी मानसिकता के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के ऐतिहासिक वैभव को संरक्षित करने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ संग्रहालय के उन्नयन के साथ महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट को भी धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया सहित विभिन्न पर्यटक स्थलों को शामिल करते हुए 100 करोड़ रुपए व्यय कर ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है। साथ ही, चित्तौड़गढ़ में संचालित लाईट एंड साउण्ड शो का उन्नयन, छतरंग मोरी-चित्तौड़गढ़ में रोपवे सुविधा देना, 7100 करोड़ रुपए की लागत से चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा के बांधों को भरने संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जौहर साका स्मारिका का विमोचन तथा प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इससे पहले उन्होंने किले पर स्थित कालिका माता मंदिर में दर्शन भी किए। समारोह में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम दक, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, विधायक श्रीचंद कृपलानी, सुरेंद्र सिंह राठौड़, चंद्रभान सिंह आक्या, अर्जुन जीनगर, श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज, जौहर स्मृति संस्थान अध्यक्ष रावत नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रशासन के अधिकारी हेल्पलेस किसानों को लेकर चिंतित पीएम मोदी : मंत्री किरोड़ी

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मंगलवार को बीकानेर में थे। मीडिया ने उनसे उनके द्वारा राज्य में उठाए गए मुद्दों पर सवाल पूछा तो वे यहीं बोले स्थितियां आपके सामने हैं, उस पर ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं। फिर मीडया ने उनसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात के बारे में पूछा और कहा कि दोनों की कोई फोटो सामने नहीं आ रही। तब उन्होंने कहा कि क्या फर्क पड़ता है, कभी मिल जाते हैं, कभी नहीं मिल पाते। फोटो भी खिंचवा लेंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के किसान मेले में पहुंचे मीडिया से बातचीत में मंत्री किरोड़ी ने कहा कि मुझे सुकून है कि मैं राजस्थान का कृषि मंत्री हूं और हमारे पीएम मोदी किसानों को लेकर चिंतित रहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि आपके तेवर बदले हुए दिख रहे हैं तो वे बोले मौसम के हिसाब से बदलना भी चाहिए। नए कोचिंग बिल पर मंत्री किरोड़ी ने कहा ये बिल अभिभावकों-छात्रों के इंटरेस्ट में बिल है। बेलगाम फीस नहीं होनी चाहिए।

धीरेंद्र ब्रह्मचारी की संपत्ति अपने कब्जे में लेगी हरियाणा सरकार, लाएगी विधेयक

चंडीगढ़ (हिंस)। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के *योग गुरु* रहे स्वर्गीय धीरेंद्र ब्रह्मचारी की अरबों रुपए की संपत्ति को अब हरियाणा सरकार अधिग्रहण करेगी। हरियाणा सरकार इस संपत्ति का अधिग्रहण करने, प्रबंधन तथा संचालन के लिए विधानसभा के इसी बजट सत्र में एक विधेयक लेकर आएगी। विधानसभा में बुधवार से शुरू हो रहे बजट सत्र के दूसरे चरण के लिए मंगलवार को जारी एजेंडे के अनुसार हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर की ओर से विधानसभा में अपर्णा संस्था (प्रबंधन तथा नियंत्रण ग्रहण) विधेयक 2025 पेश किया जाएगा। हरियाणा सरकार ने अपर्णा संस्था (प्रबंधन तथा नियंत्रण ग्रहण) विधेयक 2025 के माध्यम से आशंका जाहिर की है कि इस प्रॉपर्टी को या तो खुर्दबुर्द किया जा सकता है या फिर इस पर अवैध कब्जा हो जाएगा। इससे योग गुरु धीरेंद्र ब्रह्मचारी का यौगिक क्रियाओं के प्रचार प्रसार के मिशन को गहरी ठेस लगेगी। इसलिए राज्य सरकार ने कानून के माध्यम से इस प्रॉपर्टी को अधिग्रहीत कर उसका प्रबंधन, संचालन और नियंत्रण करने का निर्णय लिया है, ताकि यौगिक क्रियाओं को सुचारू रूप से गति प्रदान की जा सके। वैसे भी हाई कोर्ट का मानना है कि धीरेंद्र ब्रह्मचारी ने चूंकि संन्यास ले लिया था, इसलिए उनकी छोड़ी गई पूरी संपत्ति राज्य को जानी थी। हाई कोर्ट की अगली सुनवाई पर सरकार इस कानून के तहत संपत्ति को अधिग्रहित करने की जानकारी अदालत में देगी। दरअसल, अपर्णा नामक संस्था के नाम यह संपत्ति हरियाणा के गुरुग्राम जिले के गांव सिलोखरा में है, जहां योग आश्रम, चिकित्सालय और यौगिक अध्ययन केंद्र चल रहे हैं। यह प्रापर्टी गुरुग्राम के सेक्टर 30 के बिल्कुल करीब है। इस संपत्ति पर कब्जे को लेकर धीरेंद्र ब्रह्मचारी के पुराने अनुयायियों में विवाद चल रहा है और हाई कोर्ट में भी मामला विचाराधीन है।

श्रम कानूनों के विरोध में 11 अप्रैल को संसद घेराव कार्यक्रम में भाग लेगा हकम

जींद (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी महासंघ की केंद्रीय कार्यकारिणी और संबंधित विभागीय यूनियनों की बैठक मंगलवार को यूनियन कार्यालय जींद डिपो में हुई। मंगलवार को हुई इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारी प्रधान निशान सिंह ने की। जिसमें केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिरियों और विभागीय यूनियन पदाधिकारियों ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध दर्ज करवाया गया। सरकार द्वारा विभागों में निजीकरण की व्यवस्था को बढ़ावा देना, कर्मचारियों की मांगों को पूरा न करने से कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। आने वाली 11 अप्रैल को केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे श्रम कानूनों के विरोध में दिल्ली में प्रस्तावित संसद मार्च के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त सभी पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से अशोक शर्मा को कार्यकारी प्रांतीय महासचिव और नरेंद्र धीमान को वरिष्ठ उप प्रधान बनाया गया।

पहली बार राजस्थान दिवस को संभाग स्तर पर पूरे सप्ताह मनाया जा रहा, बीकानेर आएंगे सीएम

बीकानेर (हिंस)। भाजपा प्रदेश मंत्री वासु चावला ने मंगलवार को बीकानेर में कहा कि पहली बार राजस्थान दिवस को संभाग स्तर पर पूरे सप्ताह मनाया जा रहा है। बीकानेर संभाग मुख्यालय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आगमन से पूर्व तैयारी बैठक में भारतीय जनता पार्टी शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया की मौजूदगी में चावला ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि इस किसान सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बीकानेर शहर और देहात से हजारों कार्यकर्ता इस किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। उन्होंने किसान सम्मेलन को किस तरह सफल बनाया जाए इसको लेकर जिला पदाधिकारियों, मंडल, मोर्चा अध्यक्षों से चर्चा की। छाजेड़ ने कहा बीकानेर शहर में मुख्यमंत्री भजनलाल का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को लोग उत्साहित है। बीकानेर की जनता पलक पांवड़े बिछाकर उनके स्वागत को आतुर है। देहात जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर पंचारिया ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सुनने केलिए बीकानेर देहात की प्रत्येक विधानसभा से हजारों किसान इस किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन महामंत्री मोहन सुराणा ने किया। जिला मंत्री, मीडिया संयोजक भाजपा बीकानेर मनीष सोनी के अनुसार बैठक में विधायक सिद्धि कुमारी, विश्वनाथ मेघवाल, ताराचंद सारस्वत सहित अनेक उपस्थित रहे।

पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास से होगी आर्थिक समृद्धि : राज्यपाल

जयपुर/कोटा (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का उत्प्रेरक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में पर्यटन एक अभिन्न अंग के रूप में सदियों से विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक यात्राओं की प्राचीन परंपरा रही है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है। राज्यपाल मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार और आर्थिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की नक्काशी और विशिष्ट कलाकृतियों के कारण वे आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। भारत में भी पर्यटन को इसी दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटा शहर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के

कारण प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व रखता है। कोटा में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि कौशल रोजगार और रोटी की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन और कौशल विकास साथ-साथ चलते हैं। यदि युवाओं को पर्यटन उद्योग से जोड़ते हुए उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए, तो इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने होटल उद्योग, टूर गाइड, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। राज्यपाल ने राजस्थान के किलों, हवेलियों, मंदिरों, वन्यजीव अभयारण्यों और पारिस्थितिकी तंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान देश और विदेश के पर्यटकों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जो अन्य छोटे व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में *अतिथि देवो भव* की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा से ही लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण होता आया है, जिसका उल्लेख वेदों और रामायण-महाभारत में भी मिलता है। सम्मेलन में पर्यटन से जुड़े छात्रों के साथ शिक्षा, पर्यटन एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था संविधान में कहीं नहीं है : योगेंद्र उपाध्याय

कानपुर (हिंस)। जो लोग संविधान की प्रतियां पूरे देश में लेकर घूम रहे थे। उन्हीं लोगों ने चुनाव में राजनीतिक ठगी की थी। उन्होंने देश की जनता से यह वायदा किया था कि देश के संविधान को बदलने के साथ ही आरक्षण समाप्त कर देंगे। मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था संविधान में कहीं पर भी नहीं है लेकिन उन्होंने लागू कर दी है। इससे दलित और पिछले वर्ग के लोगों को समस्या होगी। यह केवल विपक्षियों का वोट बैंक है। यह बातें मंगलवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कही। प्रदेश सरकार के 8 साल पूरे होने पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय कानपुर पहुंचे। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि योगी सरकार में प्रदेश में कई परिवर्तन हुए हैं। जिनमें गांव और गरीब किसान, बेरोजगार नौजवान, महिलाओं का सम्मान, शिक्षा का उत्थान, आम व्यक्ति का स्वाभिमान और उद्योग को नई पहचान मिली है। सभी क्षेत्रों में विकास देखने को मिल रहा है। चाहे वह खुशहाल किसान यूपी की पहचान के रूप में हो। सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश, काम दमदार युवाओं को रोजगार, स्वास्थ्य का उपहार, विकास पथ पर यूपी का रथ, अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस, विरासत भी और विकास भी यह एक अनूठा सहयोग देखने को मिला है। पिछली सरकारों के संरक्षण के चलते यूपी में गुंडे और माफियाओं का राज था लेकिन प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद से गुंडे, अपराधी और माफिया सब प्रदेश छोड़ चुके हैं। विपक्षियों ने केवल अपने वोट बैंक के लिए प्रदेश की भोली भाली जनता को बरगलाने का काम किया है लेकिन अब जनता विपक्षियों के इरादे पूरी तरह से जान चुकी है। जो जिस भी धर्म को मानने वाला है। हमारी पार्टी उन्हें सभी तरह की छूट देती है। संविधान से छेड़छाड़ किसने की है। वह कर्नाटक के रूप में सभी के सामने है।

आधुनिक युग की मांग है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : सुनील दत्त

जौनपुर (हिंस)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को महंत अवेद्यनाथ नाथ संगोष्ठी भवन में कॉर्पोरेट परिदृश्य में उभरते रुझान विषयक कॉर्पोरेट कॉन्क्लेव 2025 के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता रिलायंस जिओ इंडोकॉम के अध्यक्ष सुनील दत्त ने आनलाइन उद्बोधन में कहा कि कॉर्पोरेट जगत में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों को जीवन में सदैव सीखते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व एआई के बारे में चर्चा कर रहा है। एआई एक मशीन है जो मानव बुद्धिमत्ता का अनुकरण कर तीव्र गति से डेटा प्रोसेस कर मानव की मदद कर रही है। यह आधुनिक युग की मांग है। इसने उद्योग एवं अन्य क्षेत्र में मानव जीवन को सरल बनाया है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्ति के लिए मेहनत करते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि टाटा मोटर्स, कॉनकॉर्ड मोटर्स इंडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीव कपूर ने कहा कि जिस संस्थान में काम करें उसके अन्य विभागों के लोगों से भी सीखे। उन्होंने कहा कि उच्च पद पर वही व्यक्ति पहुंचता है जिसने नीचे के पदों पर सफलतापूर्वक कार्य किया हो। कॉर्पोरेट जगत में विकास और अवसरों की कमी नहीं है। सम्मानित अतिथि अपटेक लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल जैन ने उद्योग के लिए

विद्यार्थियों के कौशल पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आप जहां काम कर रहे हैं, उसके लिए कुछ मौलिक नैतिकता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि संस्था के प्रति कटिबद्ध, वफादार और विश्वसनीय लोगों की मांग सदैव बनी रहती है। पहले की तुलना में आज अवसरों में वृद्धि हुई है। जॉब के अनुरूप अपने कौशल को विकसित करना चाहिए। नई चुनौती के अनुरूप काम करें। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जगत के नए परिदृश्य से परिचित कराने के लिए कॉर्पोरेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि कॉर्पोरेट जगत में हो रहे परिवर्तन के अनुरूप विद्यार्थी तैयार हों। कॉरपोरेट कॉन्क्लेव के संयोजक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। इसी क्रम में आयोजित प्लेनरी सत्र में पूर्व डीजीएम, सैमसंग, विनीत सिंह ने कहा कि कॉर्पोरेट में मेहनत करने वालों के लिए आगे का स्कोप अच्छा रहता है। अगर आपको अपने ऊपर विश्वास है तो नौकरियां और प्रोन्नति सदैव मिलती रहती है। आज के समय में मार्केटिंग प्लेटफार्म बदल गए है। ऑनलाइन मार्केटिंग हमारे आइकॉन बन गए है। जॉइंट प्रेसिडेंट और हेड स्टाफिंग, हिंडाल्को मुंबई के भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया विजन के बाद अब हम बहुत से क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। वॉइस प्रेसिडेंट लीगल हाइडेलबर्ग सीमेंट शशांक शेखर ने कहा कि शिक्षा विद्वता है, काम बुद्धिमता है। जब आप वर्कर की स्टाइल में काम करेंगे तभी सफल मैनेजर बन सकेंगे। जितनी लगन से कोई काम करेंगे, उतना ही बेहतर उसका रिजल्ट आएगा। व्यक्ति को बड़े पद पर रहने के बाद भी लर्निंग टेंडेंसी होनी चाहिए।

सूर्यनगरी में सजेगा राजस्थानी साहित्य का महाकुंभ : 30-31 को होगा आयोजन

जोधपुर (हिंस)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग की स्थापना का स्वर्ण जयंती समारोह राजस्थानी विभाग एवं महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केंद्र मेहरानगढ़ के सयुंक्त तत्वावधान में 30 -31 मार्च को केन्द्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति सभागार में सुबह दस से शाम पांच बजे तक उजास उच्छब के रूप में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। संगोष्ठी संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के आतिथ्य में आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति डॉ. पुष्पेन्द्रसिंह भाटी मुख्य अतिथि एवं ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण सारस्वत अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अजीत कुमार उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय राजस्थानी संगोष्ठी में राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति विषयक पांच साहित्यिक सत्र होंगे जिसमें प्रतिष्ठित रचनाकार डॉ. मंगत बादल, जहूर खां मेहर, डॉ. चांदकौर जोशी, डॉ. राजेश कुमार व्यास एवं डॉ. मदन सैनी विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता करेंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी संगोष्ठी के प्रथम सत्र में डॉ. इन्द्रदान चारण राजस्थानी विभाग री थापना अर विगसाव, डॉ. लक्ष्मीकांत व्यास राजस्थानी भाषा रौ उदभव अर विकास, डॉ.दिनेश चारण राजस्थानी भाषा रौ कालगत विवेचन तथा डॉ. मदनसिंह राठौड़ राजस्थानी भाषा रै विकास में तत्कालीन रियासता रौ योगदान विषय पर आलोचनात्मक आलेख प्रस्तुत करेंगे। द्वितीय साहित्यिक सत्र में डॉ. सत्यनारायण सोनी समकालीन राजस्थानी साहित्य: दसा अर दिसा, डॉ. सुरेश सालवी राजस्थानी लोक साहित्य री उपादेयता, डॉ. मदन गोपाल लढा राजस्थानी साहित्यिक पत्रकारिता री विकास जात्रा तथा डॉ. रामरतन लटियाल समकालीन राजस्थानी आलोचना: अेक विरोल विषय पर आलोचनात्मक आलेख प्रस्तुत करेंगे। सत्र संयोजन महेन्द्रसिंह छायण करेंगे।

अब यूपी में खुद को सुरक्षित महसूस करता है हर व्यक्ति : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने सुरक्षा का बेहतर माहौल दिया है। उसका परिणाम रहा कि उत्तर प्रदेश में हरेक व्यक्ति ने अपने आप को सुरक्षित महसूस किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने *वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया* पैदा किया जबकि आज की सरकार ने *वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज* दिया है, *वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट* दिया है। नए रोजगार के सृजन किए हैं। एमएसएमई को पुनर्जीवित किया है। इन सबसे उत्तर प्रदेश में निवेश का नया युग आया है। मुख्यमंत्री योगी सेवा, सुरक्षा और सुशासन की आठ वर्ष की प्रदेश सरकार की यात्रा के उपलक्ष्य में गोरखपुर में मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में परिवर्तन की जो प्रक्रिया प्रारंभ हुई, यह हमारे संकल्प का हिस्सा था। उस संकल्प के तहत हम लोगों ने, भाजपा ने 2017 में जनता जनार्दन के सामने वादा किया था कि सबको

सुरक्षा देंगे, सबको सम्मान देंगे। योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर गांव, हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान, हर जरूरतमंद को उपलब्ध करवाएंगे। सरकार ने इन सभी वादों को पूरा किया है। बिना भेदभाव सबको विकास और जनकल्याण के कार्यक्रमों से जोड़ा गया है। सबको सुरक्षा दी है, सबको सम्मान दिया है। योगी ने कहा कि आज सड़कों का जाल पूरे प्रदेश में बिछा है। देश के अंदर सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे के रूप में आज उत्तर प्रदेश नंबर एक पर चल रहा है। हाईवे का एक बेहतरीन संजाल उत्तर प्रदेश के अंदर इस दौरान बिछा है। इंटर स्टेट कनेक्टिविटी हमारी बेहतर हुई है। चाहे नेपाल हो या बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा दिल्ली, इन सभी की कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया है। प्रदेश में जिला मुख्यालयों को फोरलेन, तहसील मुख्यालयों को फोरलेन के कनेक्टिविटी के साथ जोड़ने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया है। साथ ही विकासखंड मुख्यालय को दो लेन और चार लेन की कनेक्टिविटी के साथ जोड़ने के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपने नए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, सर्वाधिक एक्सप्रेसवे के साथ, सर्वाधिक मेट्रो के साथ, सर्वाधिक रेलवे नेटवर्क के साथ, सर्वाधिक जन सुविधाओं के साथ देश के अंदर अग्रणी राज्य बनाकर के उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा का बेहतर माहौल देने के लिए पुलिस में रिफॉर्म किए गए। सात पुलिस कमिश्नरेट बनाए गए। पूरे प्रदेश के अंदर जोन स्तर पर एडीजी और रेंज स्तर पर आईजी रैंक के अफसर की तैनाती की गई। जनपद स्तर पर भी बेहतर ढांचा खड़ा किया गया। पीएसी की कंपनियां जो दंगाइयों के लिए काल होती थीं, उन्हें पिछली सरकार ने बंद कर दिया था। आज हमने सभी कंपनियों को बहाल किया है। उनमें भी रिफॉर्म किया गया। एसएसएफ की छह कम्पनियां गठित की गई, एसडीआरएफ की कम्पनियां गठित की गईं। उन्होंने कहा कि पहले पीआरबी 112 की रिस्पांस टाइम 25 मिनट से ज्यादा थी। आज मात्र 7 मिनट में पीआरबी 112 की सेवा कहीं भी उपलब्ध हो सकती है। ऐसे ही 108 की एंबुलेंस सेवा का रिस्पांस टाइम 25 मिनट से ज्यादा हुआ करता था। आज 7 से 12 मिनट के अंदर वह अपनी सुविधा दे रही है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की विकास यात्रा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आठ वर्षों में गोरखपुर के विकास यात्रा को डबल इंजन सरकार ने कई गुना आगे बढ़ाया है।

परिवारवाद की प्रतीक है राजद, आरक्षण पर धरना सिर्फ राजनीतिक ढोंग : उमेश सिंह

पटना (हिंस)। बिहार जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के धरना-प्रदर्शन को राजनीतिक नाटक करार दिया। उन्होंने कहा कि राजद की राजनीति पूरी तरह परिवारवाद पर आधारित है, जहां लालू परिवार को सिर्फ अपने बेटे-बेटियों की चिंता रहती है। सत्ता में रहते हुए उन्होंने कभी गरीब, पिछड़े और वंचित समाज के हक-अधिकार की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि अब आरक्षण के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले प्रदेश की जनता को गुमराह नहीं कर सकते, क्योंकि उनकी राजनीतिक सच्चाई सबके सामने आ चुकी है। केवल बिहार ही नहीं, बल्कि

पूरा देश इस सच्चाई से परिचित है कि जातीय गणना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदृष्टि और मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है। उनके व्यक्तिगत प्रयासों से यह चुनौतीपूर्ण कार्य न केवल सुगमता से संपन्न हुआ, बल्कि निर्धारित समय पर इसके आंकड़े भी प्रकाशित किए गए। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों के आधार पर नीतीश सरकार ने शोषित एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। साथ ही, हमें पूर्ण विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी होने के बाद 75 फीसदी आरक्षण का मार्ग भी शीघ्र ही प्रशस्त होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेता ने सामाजिक न्याय के साथ विकास की सोच को न केवल धरातल पर उतारा, बल्कि अपने 19 वर्षों के सफल शासनकाल में शोषित, वंचित और उपेक्षित तबकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। राजद शुरू से ही पारिवारिक न्याय की राजनीति तक सीमित रही है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये से लेकर 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये से लेकर 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। ये चमकीली धातु भी दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

1 मई से महंगा हो जाएगा एटीएम से पैसे निकालना, बैलेंस चेक करने पर भी देना होगा चार्ज

मुंबई। 1 मई से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने पर शुल्क बढ़ाने की मंजूरी दी है। यह बदलाव ग्राहकों के लिए एक नया चुनौती बना सकता है, क्योंकि अब उन्हें अधिक शुल्क देना होगा जब वे अपने वॉलेट से पैसे निकालेंगे। नए नियम के अनुसार, दूसरे बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पर और बैलेंस चेक करने पर ग्राहकों को अधिक शुल्क चुकाना होगा। पहले मुफ्त लेन-देन की लिमिट कम थी, लेकिन अब शुल्क बढ़ने से ग्राहकों को और ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इस बढ़े हुए शुल्क का असर छोटे बैंकों पर भी होगा, क्योंकि उनके पास सीमित एटीएम इंफ्रास्ट्रक्चर है। उन्हें अब ग्राहकों को सेवा प्रदान करते समय अधिक शुल्क वसूलना होगा, जिससे वह अपनी लागतों को संतुलित रखने में मुश्किल हो सकती है। इस परिस्थिति में ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट्स का इस्तेमाल करने और अतिरिक्त शुल्क से बचने का सुझाव दिया जा रहा है। इस नए नियम के लागू होने से बैंकिंग लागत बढ़ सकती है। नई फीस दरें इस प्रकार हैं-

कैश निकासी शुल्क: 17 रुपए से बढ़कर 19 रुपए हो जाएगा। बैलेंस चेक शुल्क: 6 रुपए से बढ़कर 7 रुपए हो जाएगा। ये शुल्क तब लागू होंगे जब ग्राहक अपनी मुफ्त ट्रांजैक्शन लिमिट पार कर लेंगे। मेट्रो शहरों में पांच और नॉन-मेट्रो शहरों में तीन मुफ्त लेनदेन की सीमा तय है।

सिंगापुर और भारत ने ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए की साझेदारी

सिंगापुर। सिंगापुर और भारत ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए साझेदारी में हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र (एलओआई) में यह दोनों देशों के बीच डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और भारतीय बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी से सिंगापुर-भारत जीडीएससी में बेहतर सहयोग और उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास और डिजिटल समाधानों की अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी और अधिक गहरा होगा। आशय पत्र के माध्यम से, दोनों देश समुद्री डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं में सहयोग करने का संकल्प लेंगे और इसमें उन प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करने का प्रस्ताव शामिल होगा। यह साझेदारी समझौते के जरिए साझेदारी को औपचारिक रूप देने की दिशा में काम करेगी। इस समुद्री डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के माध्यम से भारत को सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणीता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो हरित समुद्री ईंधन के निर्यात में मदद करेगा। इसके साथ ही सिंगापुर की गतिशील अनुसंधान और नवाचार परिवेश भी समर्थन करेगा।

ईएसआई स्कीम के तहत 18 लाख नए कर्मचारी जुड़े, महिलाओं और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी मिली राहत

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ईएसआई स्कीम के तहत जनवरी महीने में भारतीय नौकरियों को बेहतर सोशल और फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान की गई है।

यह स्कीम कमाई रहने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन की गई है जो आयु 25 वर्ष से कम है और जिनका मासिक वेतन 21,000 रुपये या इससे कम है। नए कर्मचारियों के 47.66 फीसदी के रजिस्ट्रेशन को दर्ज किया गया है, जिसमें शामिल हैं 8.67 लाख कर्मचारी। इसमें से 3.65 लाख महिला कर्मचारियों ने भी ईएसआई स्कीम में शामिल होने का फैसला किया है। इसके अलावा, जनवरी में 85 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया। ईएसआई स्कीम के तहत कर्मचारी को मिलने वाले कई फायदे हैं, जैसे कि नि:शुल्क इलाज, बीमा आवास, मैटरनिटी बेनिफिट्स और समाजिक सुरक्षा। इसके अलावा, अगर किसी बीमित कर्मचारी की मौत होती है, तो उसके आश्रितों को मासिक पेंशन भी प्रदान की जाती है। ईएसआई स्कीम को सफल बनाने के लिए अब और भी अधिक लोगों को इसमें शामिल करने की जरूरत है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के भविष्य की सुरक्षा में मदद मिले।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ पॉलिसी को लेकर नरमी का संकेत दिए जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 600 अंक से अधिक की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 100.01 अंक यानी 1.76 प्रतिशत उछल कर 5,767.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 404.54 अंक यानी 2.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,188.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,557.26 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,638.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,022.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत टूट कर 22,852.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 538.24 अंक यानी 2.25 प्रतिशत टूट कर 23,367.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स से 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,623.16 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत फिसल कर 1,185.84 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,364.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,790 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 180.89 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,789.38 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 171.82 अंक यानी 0.78 प्रतिशत उछल कर 22,278.46 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,971.49 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,203.97 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सेल की डिजिटल परिवर्तन के लिए साझेदारी, सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। महारत्न स्टील उत्पादक सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मैकिन्से एंड कंपनी इंडिया एलएलपी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। सेल ने इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी में डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह साझेदारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करने, कंपनी के प्रदर्शन को अनुकूलित करने और तेजी से बढ़ते डिजिटल परिदृश्य में निरंतर विकास को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है। इस साझेदारी के माध्यम से सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा, जो कंपनी को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने में मदद करेगा। साझेदारी में सेल और मैकिन्से ने अपनी तकनीकी ज्ञान और कौशल का संयोग किया है ताकि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठा सकें। इसके माध्यम से एकत्रित होकर, वे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को लागू करने के लिए काम करेंगे और कंपनी को नए उच्चायों तक पहुंचाएंगे।

तीन सरकारी बैंक दे रहे सस्ता होम लोन

मुंबई

होम लोन की मांग में महंगाई के दबाव के बीच कुछ बैंकों ने ब्याज दरों में कमी के साथ लोन प्रदान करने की घोषणा की है। कई सरकारी बैंक अब 8.10 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध करा रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 20,000 रुपए तक प्रोसेसिंग फीस के माफी का ऐलान किया है, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को छूट ऑफर कर रहा है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी इसी ब्याज दर पर अपना होम लोन योजना लागू की है। लोन लेने से पहले, व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर और वित्तीय स्थिति का ध्यान रखना अनिवार्य है। इन बैंकों के साथ एक चुनाव निर्णायक हो सकता है, जो घर की खरीदी के सपने को साकार करने में मदद कर सकता है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। खास बात यह है कि बैंक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर 20,000 रुपए तक 0.50 फीसदी प्लस जीएसटी लेता है लेकिन यह 31 मार्च 2025 तक माफ है। हालांकि, ग्राहकों को डॉक्यूमेंटेशन चार्ज 1350 रुपए और जीएसटी देना होगा।

31 मार्च तक प्रोसेसिंग फीस माफ

बैंक ऑफ महाराष्ट्र- बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 8.10 फीयदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। फिलहाल कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जा रही है। इसके अलावा महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को अतिरिक्त 0.05 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही प्री-पेमेंट, प्री-क्लोजर और पार्ट-पेमेंट चार्ज भी शून्य है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। हालांकि, इस बैंक में प्रोसेसिंग फीस के रूप में लोन राशि का 0.50 फीसदी लिया जाएगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये तीनों बैंक आपको 8.10 प्रतिशत की ब्याज दर पर होम लोन तभी प्रदान करेंगे जब आपका क्रेडिट स्कोर या सिबिल स्कोर उच्च होगा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में 1,000 करोड़ की आवासीय संपत्तियां बेचीं

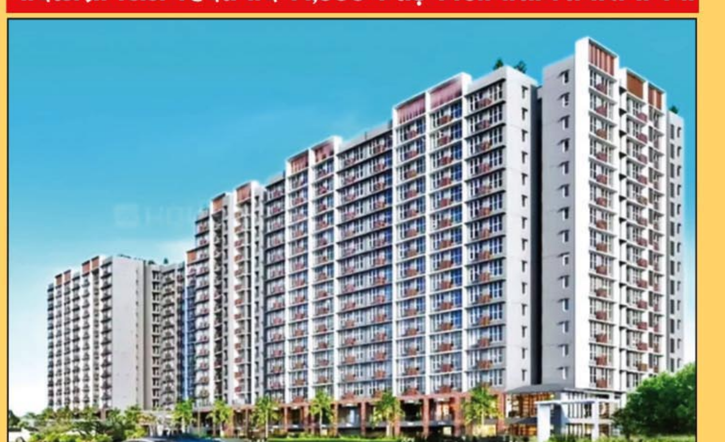

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। यह खबर मंगलवार को कंपनी ने पांच बाजारी में जानकारी देते हुए साझा की। जनवरी में हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना गोदरेज मैडिसन एवेन्यू की शुरुआत करने के साथ ही गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अपने पहले हफ्ते में 300 से अधिक मकानों की बिक्री की। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने इस सफलता को एक प्रस्तावित भविष्य के लिए माना और कहा, हमें खुशी है कि हमारी पहली परियोजना की इस प्रतिक्रिया ने हमें उम्मीद एवं विश्वास दिया है कि हैदराबाद में हमारे लिए व्यापक अवसर हैं।

सेबी ने कीमतों पर रोक लगाने डेरिवेटिव कारोबार पर लगाई रोक

गेहूं समेत 7 फसल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली

सुरक्षा और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने गेहूं और मूंग समेत सात वस्तुओं पर डेरिवेटिव कारोबार पर निलंबन लगाने के निर्देशों में सुधार करते हुए मार्च, 2026 तक इस प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। सेबी ने गेहूं और मूंग के अलावा अन्य कृषि उत्पादों पर निलंबित कारोबार करने की दिशा में स्पष्टता दी है। इस पहल में, सेबी ने कृषि उत्पादों की कीमतों पर अत्यधिक सट्टा और अस्थिरता को कम करने के लिए उत्तरदायित्वपूर्ण कदम उठाया है। डेरिवेटिव कारोबार में निवेशकों को बड़े जोखिम से बचाने के लिए इस प्रतिबंध में वृद्धि की गई है। यह निर्देश मौजूदा सौदों को पूरा करने की अनुमति देता है, लेकिन नए उतार-चढ़ाव में निवेश करने की मनाही करता है।

सेबी ने अब निलंबन को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य जिंस बाजारों में स्थायिता और सट्टेबाजी को रोकना है।

गेहूं, मूंग, धान, चना, कच्चा पाम तेल, सरसों और सोयाबीन इस निलंबन के परिधि में शामिल हैं। सेबी के इस कदम से किसानों के उत्पादों की कीमतों और खाद्य अभिशासकों को भविष्य में स्थिरता मिलने की उम्मीद है।

यह निर्देश स्वीकार करने के बाद बाजार सुरक्षितरता बढ़ाने के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है, जो खासकर अत्यधिक सट्टेबाजी से निपटने में मदद करेगा। सेबी के इस प्रकार के निर्णय सुरक्षित वित्तीय माहौल को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गुणकारी साबित हो सकते हैं।

नई दिशाएं: इस वर्ष तीन नई एयरलाइंस जल्द उड़ान भरेंगी

नई दिल्ली

देश में विमानन क्षेत्र में नए कदम रखने की तैयारी है, जैसे कि तीन नई एयरलाइंस - शंख एयर, एयर केरल, और अलहिंद एयर जल्द ही उड़ान भरेंगी। इन एयरलाइंस को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से एनओसी मिल गया है, और उनका एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट भी शीघ्र ही मिलने वाला है। शंख एयर नोएडा के जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपनी सेवाएं शुरू करेगी, जबकि एयर केरल और अलहिंद एयर दक्षिण भारत की सुशील संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास करेगी।

इन एयरलाइंस का उद्देश्य छोटे शहरों को मुख्य नगरों से जोड़ना और उड़ानें खाड़ी देशों के लिए भी आरम्भ करना है। इन नई एयरलाइंसों की शुरुआत करते हुए, हवाई यात्राओं में गर्वित नये गतिशीलता का इजहार किया गया है। ये एयरलाइंसें अपनी विस्तार योजनाएं बना रही हैं, विमानन क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के लिए अपनी भूमिका निभा रही हैं।

तीनों एयरलाइंस को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मिली एनओसी

भारतीय हवाई यातायात में नए रंग भरने की राह पर ये एयरलाइंसें निरंतर आगे बढ़ने की सोच रही हैं। शंख एयर नोएडा के जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने संचालन की शुरुआत करेगी। एयर केरल और अलहिंद एयर केरल से परिचालन शुरू करेंगी और दक्षिण भारत के क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेंगी।

दोनों एयरलाइंस ने भविष्य में खाड़ी देशों के लिए भी उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई है। नोएडा के जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से संचालन शुरू करने वाली शंख एयर उत्तर प्रदेश की पहली पूर्ण-सेवा एयरलाइन होगी। शुरुआत में यह लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। एयरलाइन मार्च 2025 तक पहला नैरो-बॉडी विमान लीज पर लेने की योजना बना रही है। पहले साल में बेड़े का विस्तार दो से पांच विमानों तक किया जाएगा। 2027 तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है एयर केरल 2025 में घरेलू उड़ानों के साथ परिचालन शुरू करेगी और 2026 में अंतरराष्ट्रीय सेवा शुरू करने की योजना बना रही है। एयरलाइन केरल के छोटे शहरों को प्रमुख महानगरों से जोड़ने और मध्य पूर्व में बसे प्रवासी मलयाली समुदाय को सेवा देने पर ध्यान केंद्रित करेगी। अलहिंद ग्रुप, जो अब तक एक टूर और ट्रैवल एजेंसी के रूप में कार्यरत था, अब अलहिंद एयर को क्षेत्रीय एयरलाइन के रूप में लॉन्च करेगा। यह एयरलाइन कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्टसे दो एटीआर72-600 विमानों के साथ परिचालन शुरू करेगी।

मियामी ओपन : ज़्वेरेव, फ़िरट्ज़ और डी मिनौर चौथे दौर में पहुंचे, फोन्सेका का सफर खत्म

मियामी

शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने धीमी शुरुआत के बावजूद दमदार वापसी करते हुए सोमवार को (स्थानीय समयानुसार) ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को 7-5, 6-4 से हराकर मियामी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली।

हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ज़्वेरेव पहले सेट में 1-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने शानदार लय पकड़ी और अगले नौ में से आठ गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इंडियन वेल्स में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद मियामी में ज़्वेरेव को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर कार्लोस अल्कराज के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद। सात बार के मास्टर्स 1000 चैंपियन ज़्वेरेव ने कहा, जॉर्डन ने मेरे लिए मुश्किलें खड़ी कीं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और जब आप लय में होते हैं, तो वह इसे तोड़ने में माहिर है। लेकिन 1-4 से पीछे होने के बाद मैंने जिस तरह वापसी की, उससे मैं खुश हूं।

फ़्रिट्ज़ की दमदार जीत

तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज़ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 7-5, 6-3 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। पहले सेट में 5-2 की बढ़त गंवाने के बावजूद, फ्रिट्ज़ ने अपने दमदार सर्व के दम पर मैच पर पकड़ बना ली और आसानी से जीत दर्ज की।

डी मिनौर ने फ़ोन्सेका के सपने को तोड़ा

ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने ब्राजील के 18 वर्षीय युवा जोआओ फ़ोन्सेका की चुनौती समाप्त करते हुए 5-7, 7-5, 6-3 से रोमांचक जीत दर्ज की। फोन्सेका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए डी मिनौर को खूब चुनौती दी, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और अंतिम सात में से छह गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। इस दौरान दर्शकों की इतनी जबरदस्त मौजूदगी थी कि रेफरी को शांति की अपील पुर्तगाली भाषा में करनी पड़ी। जीत के बाद डी मिनौर ने कहा, मैं मानसिक रूप से इस मैच के लिए पूरी तरह तैयार था। मुझे पता था कि मैं सिर्फ एक बेहतरीन खिलाड़ी से नहीं, बल्कि उसके जबरदस्त समर्थकों से भी मुकाबला करने जा रहा हूं।

न्यूज़ ब्रीफ

केएल राहुल और अथिया शेट्टी के घर आई नन्ही परी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और उनकी अभिनेत्री पत्नी अथिया शेट्टी के घर सोमवार को खुशियों ने दस्तक दी। इस स्टार कपल को एक बेटी का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी साझा की। राहुल और अथिया ने पिछले साल 8 नवंबर को सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उनकी पोस्ट में लिखा था, हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द आ रहा है। 2025। राहुल, जो इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं, अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए विशेष अनुमति लेकर घर लौट आए थे। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना पहला मैच नहीं खेल सके। आईपीएल 2025 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस खुशखबरी के सामने आते ही प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया पर बधाइयों की झड़ी लगा दी। बता दें कि अथिया शेट्टी बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं। अथिया और राहुल ने 23 जनवरी 2023 को शादी की थी।

दिल्ली कैपिटल्स की जीत के दौरान बने कई रिकार्ड

विशाखापत्तनम। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र के पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। दिल्ली ने इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को एक विकेट से हराया। इस मैच में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट पर 209 रनों का अच्छा स्कोर बनाया। इसके बाद दिल्ली को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 19 ओवर और तीन गेंदों में हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत में आशुतोष शर्मा की अहम भूमिका रही। इस यूवा ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 31 गेंदों में ही 66 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और पांच छक्के लगाए। यह आईपीएल इतिहास में दिल्ली के लक्ष्य का पीछ करते हुए बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। ये पहली बार था, जब लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ किसी टीम ने 200 से अधिक रन बनाये थे। ये आईपीएल इतिहास में पहली बार है दिल्ली कैपिटल्स एक विकेट से कोई मैच जीती है। दिल्ली के लिए यह मुकाबला बेहद इसलिए भी मुश्किल था क्योंकि एक समय टीम ने 90 रनों पर ही पांच विकेट खो दिए थे। इसके बाद आशुतोष शर्मा और विपराज निगम ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम की वापसी करायी। विपराज ने 15 गेंदों में 39 रन बनाए, जिससे दिल्ली को जीत की उम्मीद जगी। आखिरी ओवर में आशुतोष ने छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया। आशुतोष ने 66 रन बनाये। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सातवें नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड अक्षर पटेल और क्रिस मॉरिस के नाम था। अक्षर पटेल ने साल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 54 रन बनाए थे, जबकि क्रिस मॉरिस ने 2017 में उसी 52 रन बनाए थे।

धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी : हेडन

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंआ की है। हेडन ने कहा कि धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जिस तरह से उन्होंने नूर अहमद की गेंद पर सूर्यकुमार यादव की स्टंपिंग की थी उससे उनकी फिटनेस का अंदाजा होता है। इस गेंद पर सूर्यकुमार 29 रनों पर आउट हुए थे और 51 रनों की साझेदारी टूटी थी इसी के साथ सीएसके मैच में वापसी कर ली थी। हेडन ने कहा कि धोनी आज बेहतरीन थे। ऐसी गेंदों को पकड़ना थोड़ा कठिन होता है क्योंकि गेंद के एंगल में बल्लेबाज भी आ जाता है। लेकिन उन्होंने स्टंपिंग में फुर्ती की तेजी दिखाई। इससे पता चलता है कि वह अब भी बेहतरीन हैं। वहीं सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि धोनी लगातार कीपिंग का अभ्यास करते हैं।

अजीत पाल सिंह अवॉर्ड मिलने पर हार्दिक सिंह बोले– यह पूरी टीम की मेहनत का परिणाम

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह को हाल ही में आयोजित हॉकी इंडिया 7वें वार्षिक पुरस्कार समारोह में 'अजीत पाल सिंह अवॉर्ड फॉर मिडफील्डर ऑफ द ईयर 2024' से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ उन्हें 5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। हार्दिक की गिनती भारतीय हॉकी के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों में होती है। उनकी रचनात्मकता, खेल को नियंत्रित करने की क्षमता और डिफेंस से अटैक तक तेज़ी से खेल को बदलने की उनकी कला ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है।

पुरस्कार मिलने के बाद हार्दिक ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है, लेकिन मैं इसे पूरी टीम की मेहनत और एकजुटता का परिणाम मानता हूं। हॉकी ऐसा खेल है जिसमें व्यक्तिगत प्रदर्शन तभी चमकता है जब पूरी टीम तालमेल के साथ खेलती है। इस सम्मान के लिए मैं अपने साथियों, कोच और सहयोगी स्टाफ का शुक्रगुजार हूं। यह मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है।

2018 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में डेब्यू करने के बाद से हार्दिक सिंह दुनिया के सबसे प्रभावशाली मिडफील्डरों में शामिल हो चुके हैं। उनकी तुलना हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह से की जाती है। हार्दिक की शांत सोच, ऊर्जा और खेल की समझदारी ने भारत को कई ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हार्दिक ने भारत को 2024 पेरिस ओलंपिक्स और 2020 टोक्यो ओलंपिक्स में कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा, वह 2023 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (चेन्नई) और 2022 हांगझो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। वहीं, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को रजत पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही।

अपने भविष्य के लक्ष्यों पर बात करते हुए हार्दिक ने कहा, हमारा सबसे बड़ा सपना 2026 हॉकी विश्व कप जीतना है। भारत ने अब तक सिर्फ एक बार, 1975 में विश्व कप जीता था। अब समय आ गया है कि हम इसे फिर से अपने देश में लाएं। उन्होंने आगे कहा, लगातार दो ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने के बाद अब हमारी नजर 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स में स्वर्ण पदक पर है। हमें पता है कि मुकाबला कठिन होगा, लेकिन सही मानसिकता और तैयारी के साथ हम इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

हार्दिक का शानदार करियर और सम्मान

पंजाब के जालंधर से आने वाले हार्दिक सिंह भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्ड में एक मजबूत उपस्थिति बना चुके हैं। उन्होंने 149 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 11 गोल दागे हैं। उनके शानदार करियर के लिए उन्हें कई सम्मान भी मिल चुके हैं, जिनमें शामिल हैं।

2021 में अर्जुन अवॉर्ड

2022 और 2023 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 में एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड हार्दिक सिंह का यह अवॉर्ड न केवल उनके शानदार खेल का प्रमाण है बल्कि भारतीय हॉकी के भविष्य की एक झलक भी दिखाता है। उनकी मेहनत, जोश और समर्पण ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

कप्तानी मिली तो संभालने तैयार हूं : रबाडा

मुम्बई। भारत में आईपीएल खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने कहा है कि अगर अब भी उन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) कप्तान बनाता है तो वह ये जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। वह एक साथ कई भूमिकाएं निभाने के लिए तैयार हैं। रबाडा ने एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझसे कई बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछा गया है। इससे इसने मुझे इस पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। मुझे लगता है कि इसके लिए मेरी ओर से कुछ परिपक्वता की आवश्यकता होगी पर अगर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका या किसी कोच द्वारा मुझसे यह सवाल पूछा जाता है तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा। उन्होंने कहा, 'मैं पहले से ही सोच रहा था कि इसमें किस तरह का बदलाव होगा क्योंकि कप्तान बनने के बाद आप केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते क्योंकि तब आपको हर किसी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। और सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी।

हम चाहते हैं कि खिलाड़ी बहादुरी से क्रिकेट खेलें : पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन

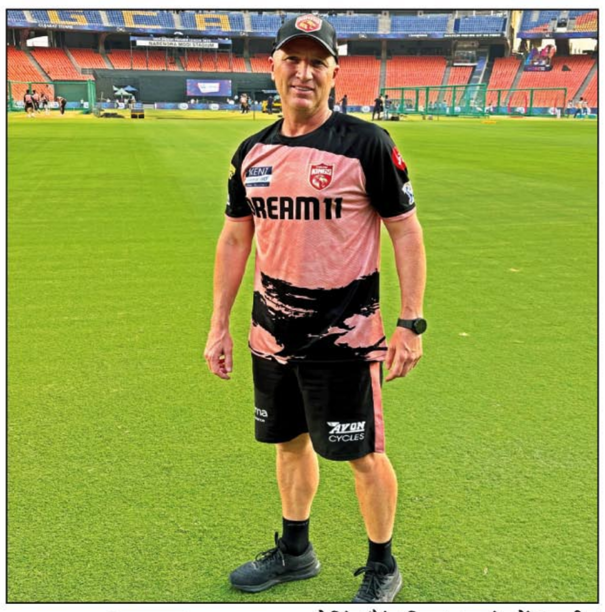

अहमदाबाद

पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम 25 मार्च शाम को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में पंजाब किंग्स इस सीजन में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। पहले मैच से पहले सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की तैयारियों को लेकर अहम जानकारियां साझा कीं।

उन्होंने कहा, हमारा मुख्य ध्यान इस बात पर है कि खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरें। हमने धर्मशाला में एक शानदार ट्रेनिंग कैंप किया, जहां हमें भारतीय खिलाड़ियों को और बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला। हमारे पास बेहतरीन प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो तेज-तर्रार और साहसी क्रिकेट खेलेंगे।

गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज के सामने पंजाब किंग्स की ओपनिंग जोड़ी कैसी होगी, इस सवाल पर हैडिन ने स्पष्ट जवाब देने से बचते हुए कहा, हमें अभी तय करना है कि ओपनिंग कौन करेगा। हमारे पास मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पहले भी यह भूमिका बखूबी निभाई है। हमें सही संयोजन बनाने पर ध्यान देना होगा। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन वाली पंजाब किंग्स टीम इस सीजन में आक्रामक क्रिकेट खेलने के इरादे से उतरेगी।

मियामी ओपन टेनिस

मियामी ओपन टेनिस में डेनिला कोलिंस आर्यिनका सबालेंका के खिलाफ शॉट खेलती हुई।

बालीवाल में चैथा कब्बड्डी कप दो से विजेता टीमों को 71 हजार के ईनाम

ऊना

हरोली विधानसभा क्षेत्र के गांव बालीवाल में दो दिवसीय चैथे कब्बड्डी कप का आयोजन दो अप्रैल से किया जा रहा है। जिसमें विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को एक लाख 30 हजार के नगद ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी आयोजनकर्ता चनण सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि नेशनल स्टाईल कब्बड्डी के मुकाबले तीन वर्गों में करवाए जाएंगें। जिनमें ओपन, 65 किलो और 55 किलो ग्राम भार वर्ग शामिल है। ओपन की विजेता टीम को 51 हजार और उपविजेता टीम को 41 हजार का ईनाम देकर पुरस्कृत किया जाएगा। 65 किलो भार वर्ग में विजेता टीम को 15 हजार व उपविजेता टीम को 11 हजार का ईनाम रखा गया है। वहीं 55 किलो भार वर्ग में विनर टीम को 7100 और रनरअप टीम को 5100 का ईनाम दिया जाएगा। जबकि प्रतियोगिता के बेस्ट रेडर और बेस्ट डिफेंडर को भी सम्मानित किया जाएगा।

चनण सिंह ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने और खेल के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए मूलराज घंटी यूथ क्लब, एनआरआई, फौजी वीरों और समस्त ग्रामीणों के सहयोग से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि तीन अप्रेल को सुबह 10 बजे दस्तार मुकाबला करवाया जाएगा, जिसमें पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को 3100, 2100 और 1100 रूपए का ईनाम दिया जाएगा। जबकि इससे पहले एक अप्रैल को श्री सुखमनी साहिब का पाठ करवाया जाएगा।

केआईपीजी 2025: खेल और प्यार की अनोखी कहानी, पैरालंपिक्स में चमकने को तैयार स्वरूप और रोमी

नई दिल्ली

खेल और प्रेम जब एक साथ चलते हैं, तो नतीजे ऐतिहासिक हो सकते हैं। पेरिस ओलंपिक्स 2024 में टारा डेविस ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता और जब उनके पति हंटर वुडहॉल ने पैरालंपिक्स में टी62 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता, तो यह उनकी आपसी प्रेरणा का ही परिणाम था। इसी तरह स्वरूप और रोमी उन्हालकर की कहानी खेल और प्यार के अनूठे संगम को दर्शाती है।

पहले ही दो बार पैरालंपिक्स में भाग ले चुके स्वरूप ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

उनकी पत्नी रोमी उन्हालकर ने महिला आर2 -एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भाग लिया, जहां उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया और फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं।

खेल से शादी तक का सफर

दोनों की मुलाकात 2021-22 के आसपास पुणे में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई। शुरुआत में यह एक प्रोफेशनल रिश्ता था, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती गहरे संबंध में बदल गई। शादी के बाद रोमी ने भी शूटिंग को अपनाया, और पिछले तीन वर्षों से यह दंपति साथ में प्रतियोगिताओं में भाग ले रहा है, देश के लिए पदक जीत रहा है। स्वरूप का बचपन संघर्षों से भरा रहा।

बचपन में ही उन्हें पोलियो हो गया था और उनके लिए शूटिंग रेंज तक पहुंचना आसान नहीं था। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे अपनी खुद की राइफल और किट खरीद सकें। लेकिन उनके कोच ने 2012 में एक 10 साल पुरानी राइफल दी, जिससे उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया और जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

महाराष्ट्र के पहले पैरा शूटर बने स्वरूप

स्वरूप महाराष्ट्र के पहले ऐसे पैरा शूटर बने, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफाई किया। उनकी मेहनत को तब पहचान मिली जब उन्हें महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित छत्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार है।

स्वरूप बताते हैं, इसके बाद सबका नजरिया बदल गया। अब परिवार और समाज में लोग कहते हैं, 'हमें कुछ नहीं चाहिए, बस तुम खेलते रहो। जब उन्होंने 2008 में अपने सफर की शुरुआत की, तब भारत में पैरा खिलाड़ियों को खेल के रूप में ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन उन्होंने इस मानसिकता को बदलने में अपनी भूमिका निभाई।

रोमी की भी है पैरालंपिक में खेलने की इच्छा

रोमी भी अपने पति के प्रति गर्व से भर जाती हैं। वे कहती हैं, स्वरूप बहुत धैर्यवान हैं और हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। यह मुझे बहुत प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका साथ मिला है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वरूप ने मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच2 में भी भाग लिया, जहां वे आठवें स्थान पर रहे। इसके अलावा आर6 -50 मीटर राइफल प्रोन मिक्स्ड एसएच1 में उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। अब यह जोड़ी अगले बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

सीने में जलन को ऐसे दूर करता है बेकिंग सोडा

एसिडिटी होने पर कई बार आपको भोजन नली या सीने में जलन की महसूस होती है। कभी-कभार ऐसा होना सामान्य बात है, लेकिन अगर आप लगातार इस तरह की जलन महसूस करते हैं तो यह एक गंभीर समस्या भी हो सकती है। आपकी इस परेशानी का इलाज बेकिंग सोडा में छिपा है। खान-पान और सौंदर्य निखारने के लिए फायदेमंद बेकिंग सोडा आपकी इस परेशानी को दूर करने का बहुत कारगर उपाय है।

स्टैंडिंग साइड क्रंच करने का सही तरीका

स्टैंडिंग साइड क्रंच, ऑब्लिक मसल्स को लक्षित करने वाली स्टैंडिंग एब एक्सरसाइज है। इस एब एक्सरसाइज को अधिक प्रभावी विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने के लिए आप नियमित रूप से इस क्रंच को फर्श पर करें या अपने नियमित एब रूटीन में एक किस्म के रूप में जोड़ें। यह एक्सरसाइज आपको अधिक कैलोरी को जलाने, कोर स्ट्रेंथ को बनाने और आपके संतुलन में सुधार करने में मदद करती है। स्टैंडिंग साइड क्रंच के अंतर्गत कई अन्य प्रकार की मसल्स मूवमेंट भी शामिल होते है।

स्टैंडिंग साइड क्रंचेज पीठ के निचले हिस्से और गर्दन की मसल्स के लिए अच्छी तरह से काम करती है। इसमें गर्दन को स्ट्रेच करने या पीठ के बल लेटने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए यह एब एक्सरसाइज के दौरान गर्दन में परेशानी या पीठ में दर्द अनुभव करने के कारण एब्डॉमिनल एक्सरसाइज से बचने वाले लोगों के लिए बेहतर होती है। यह एक्सरसाइज डांसर, फाइटर और अन्य एथलीटों के लिए आदर्श है। यह उन लोगों के लिए भी अच्छी एक्सरसाइज है जो फर्श पर आसानी से झुक और उठ नहीं सकते।

स्टैंडिंग साइड क्रंच कैसे करें?

- स्टैंडिंग साइड क्रंच को करने के लिए किसी भी उपकारण की जरूरत नहीं होती।
- इसे करने के लिए आप सीधे खड़े हो जाए और वजन को अपने बाये पैर पर डाल दें।
- अब अपनी दाहिने घुटने को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें।
- फिर अपने दाये पैर को शरीर के पीछे की तरफ उठाएं ताकी आपको घुटना समाने की ओर सीधा हो जाए।
- अब दोनों हाथों को सिर के पीछे लगा लें। सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने दाहिनी कोहनी को दाहिने घुटने के पास ले जाएं।
- फिर अपनी कोहनी और घुटने को इतना नजदीक ले जाने की कोशिश करें कि आपकी पसली और दाहिने कूल्हे पर प्रभाव महसूस हो।
- स्टैंडिंग साइड क्रंच को 15-15 क्रंचेज में दोनों तरफ से करें।

स्टैंडिंग साइड क्रंच के लाभ

- इससे गर्दन और पीठ के निचले हिस्से कम दबाव पड़ता है।
- मैट पर होने वाला यह साइड क्रंचेज अधिक कैलोरी जलता है।
- इसके लिए किसी उपकरण की जरूरत नहीं होती, इसे आप कहीं भी, कभी भी कर सकते हैं।
- हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग के लिए अच्छी एक्सरसाइज है। कार्यात्मक शरीर के विकास को बढ़ावा देता है।

टिप्स

- ऑब्लिक मसल्स को अधिक एक्टिव करने के लिए स्लो और कंट्रोल मूवमेंट करें।
- इस एक्सरसाइज को कार्डियों के लिए उपयोग करने के लिए, हार्ट रेट को बढ़ाने के लिए तेजी से रेप्स करें।
- एक्सरसाइज करते समय, हिप्स को आगे या पीछे स्विंग न करें।
- अपने सिर को हाथों के आगे या बगल से खींचने से बचें।
- रीढ़ की हड्डी को आगे झुकाने से बचें।

दवाओं के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए आसान तरीके

दवाएं कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हानिकारक बैक्टीरिया के खिलाफ मुकाबला करने, दर्द से राहत देने और जान बचाने में मदद करती है। दवाएं ऐसे रोगों का भी इलाज करती है जिनका अन्य किसी तरीके से इलाज नहीं हो पाता। लेकिन अफसोस, दवाओं के उपयोग में एक खामी भी है।

दवाएं मानव शरीर के साथ एक नाजुक संतुलन में काम करती हैं, लेकिन इस संतुलन के बिगड़ने पर यह कई प्रकार के साइड इफेक्ट का कारण बन सकती है।

साइड इफेक्ट

लगभग सभी प्रकार की दवाओं के साइड इफेक्ट होते है, लेकिन कुछ लोगों को साइड इफेक्ट का पता नहीं लगता वह इन साइड इफेक्ट के साथ आसानी से डील कर लेते हैं। यहां ऐसी कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई है जो आपको पता होनी चाहिए।

किसे होते हैं साइड इफेक्ट

किसी को भी दवा से साइड इफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन कोई भी एक विशेष दवा आपके लिए साइड इफेक्ट का कारण नहीं हो सकता। यह दवा की खुराक, उम्र, लिंग, वजन और आपके द्वारा ली जाने वाली अन्य दवाओं पर निर्भर करता है। बुजुर्गों में जवां लोगों की तुलना में साइड इफेक्ट अधिक होने की संभावना होती है।

कब्ज

कई निर्धारित और काउंटर दवा से कब्ज की समस्या हो सकती है। नियमित रूप से पेनकिलर दवाओं को लेने पर होने वाला यह सबसे आम दुष्प्रभावों में से एक है। हालांकि, आप ब्रान और होल वीट ग्रेन और हाई फाइबर सब्जियां और फल जैसे बींस, सेब और ब्रोकली के सेवन से इसका इलाज कर सकते हैं। इसके साथ ही तरल पदार्थों को खूब सेवन करें और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

दिन के समय उनींदापन

कुछ दवाओं के कारण दिन में उनींदापन की समस्या भी हो सकती है, लेकिन शरीर द्वारा दवा के आदि होने पर समस्या आमतौर पर अपने आप ही दूर हो जाती है। अगर समस्या काफी दिनों तक ऐसी ही बनी रहती है तो डॉक्टर से पूछ कर दवा रात के समय लें। साथ ही यह भी सलाह दी जाती है कि उनींदापन महसूस होने पर भारी उपकरण न उठाये और ड्राइविंग करने से भी बचें।

सिरदर्द

कई निर्धारित और गैर निर्धारित दवाएं भी सिरदर्द का कारण हो सकती है। हालांकि शरीर को दवा की आदत हो जाने पर सिरदर्द अपने आप दूर हो जाता है। लेकिन अगर समस्या लंबे समय तक बनी रहती हैं तो बिना देर किये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

आमतौर पर दवा के लाभ मामूली साइड इफेक्ट से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि अधिकांश दवाओं के साइड इफेक्ट अक्सर एक समय के बाद अपने आप दूर हो जाते हैं। लेकिन अगर साइड इफेक्ट लंबे समय तक रहते हैं तो आपको खुद से दवाओं को बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने डॉक्टर से इस विषय पर राय लेनी चाहिए। और अगर दवा लेने के बाद पित्ती, चेहरे, होठों और जीभ पर सूजन या सांस लेने में परेशानी महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

डायरिया

लगभग सभी दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में डायरिया की समस्या देखने को मिलती है। हालांकि कीमोथेरेपी के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं जैसे एंटीबॉयोटिक, एंटी-डिप्रेसेंट और एंटासिड डायरिया का कारण बनती है। अगर आपको दवा से डायरिया की समस्या होती है तो अपने आहार में हल्के, फाइबर युक्त जैसे की चावल और दही को शमिल करें। और बेहतर महसूस होने तक मसालेदार और फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से बचें।

दिल को हेल्दी रखना है तो पियें ब्लैक टी

काली चाय वजन घटाने में मदद करती है, ये बात तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। जी हां, एक नए शोध से यह बात सामने आई है कि काली चाय दिल को दुरुस्त रखने में बहुत मददगार होती है।

दिल के लिए काली चाय

काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है। एक ताजा शोध में यह बात सामने आई है। इस शोध में काली चाय में पाए जाने वाले एक विशेष तत्व और उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया है। काली चाय में प्रचुरता से पाया जाने वाला एक प्रकार का फलेवनॉयड, र्सटीन, धमनियों को ऑक्सीकरण से होने वाले नुकसान से बचाता है। साथ ही यह हृदयवाहिका से संबंधित बीमारियों की संभावना को भी कम करता है।

एंटीऑक्सीडेंट है फ्लेवनॉयड

फ्लेवनॉयड पौधों में पाए जाने वाले साधारण वर्णक यौगिक होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करता है। विटामिन सी के असर को बढ़ाता है और रक्तवाहिकाओं के आसपास संयोजी ऊतकों की रक्षा करता है।

शोध के नतीजे

विश्वविद्यालय के बयान के मुताबिक वार्ड और क्रॉफ्ट ने कहा, भविष्य में हृदय रक्तवाहिकाओं पर फ्लेवनॉयड के असर से सम्बंधित अध्ययनों में अलग-अलग तरह के फ्लेवनॉयड और फ्लेवनॉयड के खाद्य स्रोतों के उपयोग पर विचार किया जाना चाहिए।

क्या कहता है शोध

- प्रोफेसोरियल फेला, केविन क्रॉफ्ट ने चूहों पर किए गए एक प्रयोग के आधार पर कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि र्सटीन, वाहिकाओं को ऑक्सीडेंट से होने वाले नुकसान से बचाने में सक्षम है।
- शोध पत्रिका बायोकेमिकल फॉर्मेकोलॉजी के मुताबिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस बात के प्रमाण हैं कि खाद्य फ्लेवनॉयड्स उच्च रक्तचाप को कम कर सकता है और अथेरोस्क्लेरोसिस के विकास को कम कर सकता है।

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।

कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कॅरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पंसद होता हैं अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कॅरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।

प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्रार्थी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान रॉफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता हैं और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती हैं कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी हैं। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कॅरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कॅरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

रेसिपी

खट्टा मूंग

सामग्री

1 कप मूंग, 1 कप खट्टा दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 3/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 3 से 4 कड़ी पत्ता, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

परोसने के लिए: रोटली/ सादे चावल

विधि

मूंग को धोकर, उपयुक्त मात्रा के पानी में 2-3 घंटे के लिए भिगो दें। छानकर, 11/2 कप पानी डालकर 2 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। दही, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर को एक बाउल में मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों, कड़ी पत्ता, हींग और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालें। जब बीज चटकने लगे, पका हुआ मूंग डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक पका कें। दही-बेसन का मिश्रण, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर सादे चावल या रोटली के साथ गरमा गरम परोसें।

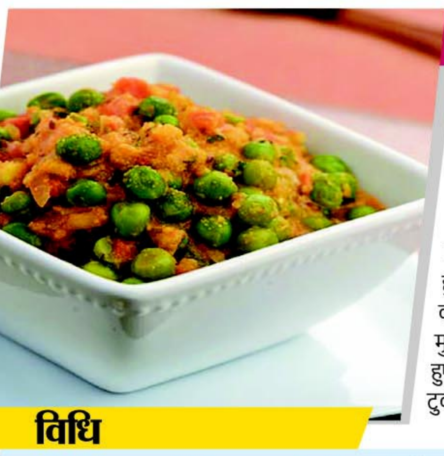

कोवालम मटर

सामग्री

1 1/4 कप उबले हुए हरे मटर, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून लहसून की पेस्ट, 1 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक, स्वाद अनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, पीस कर नारियल-काजू की मुलायम पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी का उपयोग करते हुए), 4 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून टुकड़ा किया हुआ काजू

विधि

एक नॉन-स्टिक कढाई में तेल गरम करिए और उसमे जीरा और उड़द दाल डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे लहसून की पेस्ट, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे बनाया हुआ नारियल-काजू के पेस्ट, हरे मटर, धनिया और 1/2 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**